

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



अमरोहा पुलिस ने लगभग 51 लाख रूपए के 243 गुम मोबाइल बरामद पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 213 | शनिवार 07 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अयोध्या सील होने से हाईवे पर भीषण जाम, फंसे बृजभूषण शरण ने कहा... घोर अत्यवस्था

गोंडा, एजेंसी। राम नगरी अयोध्या को सील करने के बाद गोंडा-अयोध्या हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आम लोगों के साथ वीआईपी भी परेशान हैं। इसी जाम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी फंस गए। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर नाराजगी जताकर घोर अव्यवस्था करार दिया और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए। जाम में फंसे बृजभूषण का वीडियो सामने आया है। इसमें वे अपनी सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने गाड़ी के अंदर से ही जाम की स्थिति पर प्रतिक्रिया देकर कहा, घोर अव्यवस्था है, किसको जिम्मेदारी दें। उन्होंने बताया कि अयोध्या को सील किए जाने के कारण वाहनों को दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे गोंडा-अयोध्या मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रशासन को अयोध्या में यातायात प्रतिबंध लागू करने से पहले बेहतर इंतजाम करने चाहिए थे। बिना उचित योजना के मार्ग बंद करने का असर आसपास के जिलों पर भी पड़ा है। गोंडा, बलरामपुर और बस्ती की ओर जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और जरूरी काम से यात्रा करने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है।

फेसबुक लाइव में आकर आदिवासी नेता निशा भगत ने दे दी जान

- प्रशासन और भू-माफिया पर लगाए थे आरोप

रांची, एजेंसी। झारखंड की आदिवासी नेता निशा भगत की आत्महत्या की खबर के बाद उनके आखिरी फेसबुक लाइव में लगाए गए आरोप चर्चा में हैं। बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या से पहले फेसबुक पर लाइव आकर सरकार, प्रशासन और जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने एफबी लाइव में निशा भगत ने दावा किया कि वह लंबे समय से आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थीं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने हेमंत सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि समाज के मुद्दों और सरकार की कथित कमियों को उठाने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। निशा भगत ने जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर भी आरोप लगाए और प्रशासन से मदद नहीं मिलने की बात कही। उन्होंने अजय तिर्की का नाम लेते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। लाइव के दौरान उन्होंने पिठोरिया थाना प्रभारी से फोन पर बातचीत भी की और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई।

बागी विधायकों से मुलाकात कर बोले फारूक अब्दुल्ला- पार्टी कभी नहीं टूटेगी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी और बगावत की चर्चाओं के बीच पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बागी विधायकों से मुलाकात की। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में किसी तरह का विभाजन नहीं होगा और पार्टी एकजुट है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने नाराज विधायकों की शिकायतें सुनी हैं और उनकी समस्याओं पर जल्द काम किया जाएगा। उन्होंने पार्टी में किसी टूट की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि सभी नेताओं और विधायकों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। पार्टी के भीतर कुछ विधायकों की नाराजगी और उनके अलग रुख को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला की बैठक को संगठन के भीतर मतभेद दूर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक के बाद उनके बयान से पार्टी नेतृत्व ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है।

पीएम मोदी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 के प्रतिभागियों को सराहा, कहा- कोई सपना बहुत बड़ा नहीं, कोई चुनौती बहुत कठिन नहीं

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत की शानदार प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साल 2010 में 14 मेडल से लेकर 2026 के संस्करण में 114 मेडल तक का भारत का सफर न सिर्फ मेडल टैली में देश की बढ़त को दिखाता है, बल्कि यह हमारे खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा को भी दर्शाता है। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल से बातचीत के बाद, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर पोस्ट किया, ह्लएक तरफ तो यह सिर्फ एक आंकड़ा हैह्व एशियन पैरा गेम्स में भारत की तरक्की का एक आंकड़ा। लेकिन, सबसे अहम बात यह है कि यह तेजी से हुई तरक्की कुछ और भी बताती हैह्व हमारे खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा। भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 97 पैरा-



एथलीट्स ने कुल 114 मेडल जीते, जिनमें 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। कुल मेडल टैली में भारत चौथे स्थान पर रहा। भारतीय दल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पीएम मोदी ने बताया कि भारत ने 30 गोल्ड मेडल जीते, साथ ही 5 वर्ल्ड रिकॉर्ड और 9 एशियन रिकॉर्ड भी बनाए। इसके अलावा, चार इवेंट्स में तो भारतीय खिलाड़ियों ने पोडियम की तीनों पोजीशन (पहला, दूसरा और तीसरा स्थान) पर कब्जा कर लिया। पीएम मोदी ने भारत के प्रदर्शन से जुड़े दो और आंकड़े साझा किए। उन्होंने बताया कि एशियन पैरा गेम्स में पहली बार हिस्सा लेने वाले 61 खिलाड़ियों में से 36 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे। वहीं, भारतीय दल में शामिल 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 ने मेडल जीते। पीएम मोदी ने लिखा, एशियन पैरा गेम्स में पहली बार हिस्सा लेने वाले 61 खिलाड़ियों में से 36

आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने 2 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो से जुड़ी करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन

खिलाड़ी मेडल लेकर लौटे और 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 ने मेडल जीते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शन से साबित होता है कि दृढ़ संकल्प के जरिए खिलाड़ी चुनौतियों को पार कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारे खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि अगर पक्का इरादा हो, तो कोई भी सपना बहुत बड़ा नहीं होता और कोई भी चुनौती बहुत कठिन नहीं होती। प्रधानमंत्री मोदी ने खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की चाह रखने वाले युवाओं के प्रति समाज की बदलती सोच का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब देश में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पूरा समर्थन और प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, अब वह दौर बीत चुका है जब खेल में करियर बनाने की सोचने वाले युवाओं को समाज की नाराजगी झेलनी पड़ती थी। आज, अगर आपमें हुनर है, तो पूरा भारत आपके साथ खड़ा होगा और आपका हौसला बढ़ाएगा। आगे आएं, खेलें और चमकें। इस दौरान एथलीट्स ने पीएम मोदी को विशेष स्मृति-चिह्न भेंट किए, जो आइची-नागोया खेलों में उनकी उपलब्धियों का प्रतीक थे। महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीतने वालीं स्प्रिंटर सिमरन शर्मा ने प्रधानमंत्री को स्मृति-चिह्न के रूप में जूतों की एक जोड़ी भेंट की।

गिरिराज का विरोधी नेताओं पर तीखा हमला... अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती

बिना नाम लिए सोनिया, राहुल, अखिलेश और लालू परिवार पर कसा तंज

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं पर तीखा हमला बोलकर बिना किसी का नाम लिए कई विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं पर तीखा कटाक्ष किया। केंद्रीय मंत्री सिंह की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है और सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने लिखा कि भारतीय लोकतंत्र में अब पहले जैसा मजा नहीं रहा। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती, जिसके इलाज के लिए उन्हें मोटे-मोटे बैग लेकर बार-बार विदेश जाना पड़ता था। उन्होंने राजमाता की बेटी की पेंटिंग करोड़ों में नहीं बिकने और जीजाजी का



हरियाणा में जमीन का कारोबार बंद होने की बात भी कही। इन टिप्पणियों को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके परिवार पर निशाने के रूप में देखा जा रहा है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री सिंह ने दक्षिण भारत के एक नेता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने गमलों में करोड़ों की सब्जियां उगाने और उनकी पत्नी की करोड़ों रुपये की पेंटिंग सरकार की ओर से नहीं खरीदे जाने का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने इस नेता की पहचान उजागर नहीं की।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र कर सैफई महोत्सव पर भी तंज कसा, कि अब सैफई में बालीवुड का नाच गाना नहीं होता है। इस तंज को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने चारा घोटाले का संदर्भ देकर लिखा कि अब चारा स्कूटर पर ढोने की नौबत नहीं आती। मुंबई में अंडरवर्ल्ड के पुराने प्रभाव का जिक्र कर भी उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया।

अपनी पोस्ट के अंत में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री की कुर्सी पारिवारिक मुद्दा हुआ करती थी और परिवार में ही फैसला होता था, लेकिन अब इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। उनकी इस टिप्पणी को विपक्षी दलों के नेतृत्व और परिवारवाद पर भाजपा के राजनीतिक हमले के रूप में देखा जा रहा है।

1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने के दावे पर अखिलेश का सवाल, मुख्यमंत्री को कैसे पता चला?

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम कटने के मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के उस कथित बयान पर सवाल उठाया, जिसमें दावा हुआ था कि मतदाता सूची से 1 करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम गायब हो गए हैं। अखिलेश ने पूछा कि मुख्यमंत्री को कैसे पता चला कि मतदाता सूची से हटाए नाम हिंदुओं के ही हैं?



अखिलेश ने कहा कि 30 तारीख को मुख्यमंत्री योगी ने 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से गायब होने की बात कही थी। उनके इस बयान की रिकॉर्डिंग कई समाचार चैनलों के पास उपलब्ध होगी। उन्होंने सवाल किया कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं, तब उनकी धार्मिक पहचान की जानकारी मुख्यमंत्री को कैसे मिली?

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अवैध घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर लोगों में डर पैदा किया और उनके मतदान के अधिकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इस शब्द का इस्तेमाल कुछ लोगों को समाज में बदनाम करने के लिए किया गया। अखिलेश के मुताबिक, असली मुद्दा हर नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा का है।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश ने दावा किया कि पीडीए प्रहरियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गलत तरीके से वोट कटवाने की कोशिशों को पकड़ा और उन्हें रोका है।

अस्पताल में शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल... 10 नवबंर के बाद सुलह की उम्मीद

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच संभावित एकजुटता को लेकर चर्चाएं फिर तेज हुई हैं। अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दरअसल, शरद पवार की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तभी प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने पहुंचे। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत होती दिखाई दे रही है। इस दौरान शरद पवार को प्रफुल्ल से यह कहते सुना गया कि 10 नवंबर के बाद मिलते हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रफुल्ल की मुलाकात ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम होने की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि स्व.अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी में विभाजन के बाद शरद और अजित पवार के गुट अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे हैं। दोनों खेमों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी लगातार देखने को मिली है। इसके बाद अस्पताल में हुई इस मुलाकात और 10 नवंबर के बाद फिर मिलने की बात को संभावित सुलह के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात से किसी राजनीतिक समझौते, गठबंधन या पार्टी के विलय की पुष्टि नहीं होती है। दोनों गुटों की ओर से भी एकजुटता को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब राजनीतिक हलकों की नजरें 10 नवंबर के बाद होने वाले घटनाक्रम पर टिकी हैं।



खुली बहस की चुनौती पर राहुल गांधी को मिला शशि थरूर का साथ

लखनऊ , एजेंसी । नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सरकार को खुली बहस की चुनौती दिए जाने के बाद अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी उनके समर्थन में उतर आए हैं। थरूर ने कहा है कि संसद का सत्रावसान अभी नहीं हुआ है, इसलिए संसद की बैठक दोबारा बुलाई जानी चाहिए। यदि सदन की बैठक होती है तो राहुल गांधी की ओर से बहस का दिया गया प्रस्ताव अब भी कायम है। उनके इस बयान के बाद संसद में सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव एक बार फिर तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

शशि थरूर ने राहुल गांधी के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने सरकार पर लगाए गए आरोपों को लेकर संसद में खुली बहस करने की पेशकश की थी। थरूर का कहना है कि जब संसद का सत्रावसान नहीं हुआ है तो सदन को दोबारा बुलाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी बहस के लिए तैयार हैं और सरकार को भी इस चुनौती को स्वीकार करना चाहिए।

दरअसल, राहुल गांधी ने सरकार के सामने विभिन्न आरोपों पर खुली चर्चा करने की पेशकश की थी। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि संसद पहले से ही बहस और चर्चा के लिए उचित मंच है। उन्होंने राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराया था। सरकार का कहना है कि विपक्ष को अपने सवाल और आरोप संसद के भीतर उठाने चाहिए। वहीं, इस राजनीतिक गहमागहमी के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। कांग्रेस लगातार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव और पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। शशि थरूर ने भी निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एसआईआर को लेकर प्रक्रियागत अनियमितताओं का आरोप लगाया और कहा कि उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई से विपक्ष की चिंताओं को समर्थन मिला है। निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर की घोषणा को फॉर्म-6 से अलग करने के फैसले को उन्होंने आयोग की गंभीर गलतियों में से



एक बताया। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े सवालों पर निर्वाचन आयोग को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। दूसरी ओर, सरकार संसद में चर्चा को ही उचित माध्यम बता रही है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर हैं कि संसद की बैठक दोबारा बुलाने और राहुल गांधी की बहस की चुनौती पर सरकार क्या रुख अपनाती है।

दिल्ली-एनसीआर में गफ्फार मार्केट, मॉल और फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते 24 घंटों के भीतर आग लगने की तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। गफ्फार मार्केट की एक दुकान, ग्रेटर नोएडा के एक मॉल का सिनेमा हॉल और नरेला की एक फैक्ट्री इन घटनाओं से प्रभावित हुई हैं। दमकल विभाग ने सभी जगहों पर तत्परता से कार्रवाई की और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दिल्ली के गफ्फार मार्केट की चैन वाली गली में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक दुकान में आग लग गई। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। नुकसान और हताहतों की जानकारी अभी प्रतीक्षित है। वहीं ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल में ऑडी-10 के प्रोजेक्टर रूम में शॉर्ट सर्किट से धुआं उठा। एहतियातन 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फायर एक्सटिंग्विशर से आग तुरंत बुझा दी गई, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई। स्थिति सामान्य है। एक अन्य घटना में गुरुवार सुबह बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में भीषण आग लगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों का धुआं, एक्यूआई 400 के करीब

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जाहिर की है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का प्रमुख कारण है। दिल्ली को गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक से स्थिति लगातार खराब हो रही है। अदालत ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत जाहिर की है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वत- संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लगातार चर्चा और सुझाव दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के करीब पहुंच रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली और आसपास के शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की संख्या और लगातार लगने वाला जाम बड़ी समस्या बन चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है। सड़क किनारे काम करने और रोजी-रोटी कमाने वाले लोगों को जहरीली हवा का सामना करना पड़ता है। त्यौहारों के दौरान उनकी कमाई भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करते समय उनकी आजीविका का ध्यान रखना जरूरी है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने किसानों को जागरूक करने और खेतों में आग लगाने के बजाय कृषि मशीनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सुनवाई में बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए स्कूल बंद करने और सभी कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करने की मांग भी उठी। पीठ ने कहा कि इस विषय पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि औद्योगिक उत्सर्जन, वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल, सड़क की धूल और पराली जलाने सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, पीयूसी प्रमाणपत्र की जियो-टैगिंग और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी इनमें शामिल है।



केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 391 रहा। रोहिणी में यह 475 और आईआईटी दिल्ली में 472 दर्ज किया गया। 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदेश पारित करने की बात कही। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

संपादकीय

गिरफ्तारी में पारदर्शिता

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है।

हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए। यह सर्वमान्य सत्य है कि स्वतंत्रता महज प्रक्रियात्मक औपचारिकता भर नहीं है। सही मायने में यह किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है।

सूक्ति

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।
- विनोबा भावे

जिस प्रकार नेत्रहीन के लिए दर्पण बेकार है उसी प्रकार बुद्धिहीन के लिए विद्या बेकार है।
- प्रेमचंद

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वोट चोरी के बहाने अराजक आंदोलन



सुरेश हिंदुस्तानी

देश के वर्तमान राजनीतिक वातावरण को लेकर जनमानस में अनेक प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों के जवाब स्वाभाविक रूप से उन राजनीतिक दलों की ओर से अवश्य ही आना चाहिए, जो राजनीतिक धुरी के रूप में अपने आपको स्थापित करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में वोट चोरी को मुख्य मुद्दा बनाकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूक रहा है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी जमकर प्रत्युत्तर देने का साहसिक प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में जनता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है। लोकतंत्र के मायने भी यही हैं कि देश में जनता की सरकार है, राजनीतिक दलों की नहीं। जनता अपने प्रतिनिधि के रूप में इन्हें चुनकर भेजती है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनादेश की अभिव्यक्ति हैं। वर्तमान में विपक्ष खासकर कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। यह विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवाल उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर राजनीतिक अराजकता पैदा करने के बीच एक स्पष्ट अंतर है। दुर्भाग्य से कांग्रेस आज इसी अंतर को समझने में असफल दिखाई दे रही है। वोट चोरी के आरोपों को आधार बनाकर आंदोलन खड़ा करने की उसकी कोशिश राजनीतिक रणनीति से अधिक अपनी हताशा और दिशाहीनता का प्रदर्शन प्रतीत होती है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी मर्यादा भी है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता हुई है, तो उसके पास संवैधानिक और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। उसे तथ्यों, प्रमाणों और ठोस तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को आंदोलन का केंद्रीय विषय बना देना क्या उचित राजनीतिक तरीका है? मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया है। उसे राजनीतिक दबाव और सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित करने की कोशिश लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। कांग्रेस को यह समझना होगा कि चुनाव में लगातार मिल रही पराजय का पूरा दोष चुनाव आयोग या मुख्य चुनाव आयुक्त पर डालकर वह अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। कांग्रेस की चुनावी चुनौतियां आज की नहीं हैं। पार्टी लंबे समय से अनेक राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर जनसमर्थन खोती रही है। इसके पीछे संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व का संकट, स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव और जनता से टूटता संवाद जैसे अनेक कारण हैं। इन कारणों का आत्मविश्लेषण करने के बजाय हर पराजय के बाद चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाना समस्या का समाधान नहीं है।

कांग्रेस ने अपने आंदोलन के लिए समय का चयन भी ठीक नहीं किया। देश में दीपावली का उत्सव निकट है। बाजारों में रौनक है, व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों को सजाने, कारोबार बढ़ाने और ग्राहकों की तैयारी में व्यस्त हैं। आम परिवार खरीदारी, त्योहार की तैयारियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में जुटे हैं। ऐसे समय में व्यापक जनभागीदारी की अपेक्षा करना व्यावहारिक राजनीतिक समझ का परिचय नहीं देता। स्वाभाविक है कि आंदोलन में अपेक्षित संख्या नहीं जुट पाई। राजनीति केवल नारे लगाने से नहीं चलती, इसके लिए समाज की मनःस्थिति, समय और परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है।

विशेष रूप से व्यापारी वर्ग की भावनाओं को नजरअंदाज करना कांग्रेस की रणनीतिक भूल कही जा सकती है। त्योहारों का समय व्यापारियों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक होता है। व्यापारी वर्ग यदि आंदोलन के समय और स्वरूप को लेकर अपनी असहमति व्यक्त कर रहा था, तो कांग्रेस नेतृत्व को उसके अनुरोध पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ समाज के विभिन्न वर्गों की परेशानियों और प्राथमिकताओं को समझना है, न कि अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार उनसे सहभागिता की अपेक्षा करना।

कांग्रेस को यह भी समझना होगा कि सत्ता का रास्ता आंदोलन की भीड़ से नहीं, जनता के विश्वास से होकर गुजरता है। यदि पार्टी वास्तव में सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। किसानों के लिए उसकी क्या नीति है? युवाओं को रोजगार देने की उसकी योजना क्या है? महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को लेकर उसका दृष्टिकोण क्या है? देश की बदलती आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप उसका भविष्य का विजन क्या है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर जनता के सामने रखने होंगे। आज कांग्रेस की राजनीति का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, लेकिन केवल विरोध करना राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करना नहीं होता। जनता यह जानना चाहती है कि वर्तमान सरकार की नीतियों में कमियां बताने वाली पार्टी स्वयं सत्ता में आने पर क्या अलग करेगी। केवल मोदी विरोध के सहारे जनसमर्थन हासिल करने की कोशिश कांग्रेस को राजनीतिक रूप से मजबूत नहीं कर सकती। उसे अपनी उपलब्धियों, नीतियों, कार्यक्रमों और भविष्य की कार्ययोजना के आधार पर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।

इस पूरी राजनीतिक स्थिति में कांग्रेस के सलाहकारों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आखिर कौन लोग हैं जो पार्टी को ऐसे समय में आंदोलन की सलाह दे रहे हैं, जब देश का बड़ा वर्ग दीपावली की तैयारियों में व्यस्त है? कौन हैं जो जनता की वास्तविक प्राथमिकताओं से अलग राजनीतिक रणनीति बना रहे हैं? क्या पार्टी का नेतृत्व जमीनी परिस्थितियों का सही आकलन कर पा रहा है? यदि सलाहकार लगातार ऐसी रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनसे पार्टी को राजनीतिक लाभ के बजाय नुकसान हो रहा है, तो उन्हें बदलने में ही कांग्रेस की भलाई है।

विपक्ष का मजबूत होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह होता है जो सरकार की गलतियों को तथ्यों के साथ उजागर करे, जनता के मुद्दों पर संघर्ष करे और देश को एक विश्वसनीय विकल्प दे। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले अपने राजनीतिक आचरण और संगठनात्मक कमजोरियों का मूल्यांकन भी करे।

कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि जनता के बीच खोया हुआ विश्वास वापस हासिल करना है। इसके लिए उसे आरोपों की राजनीति से बाहर निकलकर सकारात्मक एजेंडे की राजनीति अपनानी होगी। क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता संवैधानिक संस्थाओं से टकराव, आरोपों और अराजक आंदोलनों से नहीं, बल्कि जनता के दरवाजे तक पहुंचने और उसका विश्वास जीतने से बनता है। कांग्रेस को यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना ही उसके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर होगा। कांग्रेस को वोट चोरी के आरोपों से आगे बढ़कर अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता, संगठन और वैकल्पिक विजन पर काम करना होगा। सत्ता का रास्ता जनता के बीच से होकर जाता है, टकराव की राजनीति से नहीं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी



योगेश कुमार गोयल



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..



दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को %लखपति दीदी% बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।

भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है।

मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

ए.एस.एम मॉडल एकेडमी में रंगोली प्रतियोगिता एवं श्रीराम तिलक महोत्सव का भव्य आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा स्थित ए.एस.एम मॉडल एकेडमी में दीपावली के पावन अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता एवं श्रीराम तिलक महोत्सव का भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। इस दिन भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास पूरा कर माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए थे। तभी से दीपावली मनाने की परंपरा चली आ रही है।कार्यक्रम में बच्चों ने रंगोली के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। अनु, अरीशा, मानवी, सुहाना, अनन्या, विनित, अयान, मौ. शमी समेत कई विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर रंग-बिरंगी रंगोलियों से माहौल को आकर्षक बना दिया। प्रधानाचार्या आभा रस्तोगी ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपावली हमें प्रेम, भाईचारे, खुशियों और एकता का संदेश देती है। यह त्योहार सिखाता है कि हमेशा सत्य और अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने सभी से प्रदूषण रहित और सुरक्षित दीपावली मनाने का संकल्प लेने की अपील की। विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने भी शुभकामनाएँ देते हुए विद्यार्थियों से सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने को कहा।कार्यक्रम का संचालन ब्रजेश कुमार, चेतना सागर एवं कविता ने सफलतापूर्वक किया। दीपावली का संदेश है दीप जलाएँ, खुशियाँ फैलाएँ और अंधकार मिटाएँ।

द आर्यन्स में हुआ अंतरसदनीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यन्स, जोया में शुक्रवार को दीपावली के उपलक्ष में विद्यार्थियों के चित्रकला एवं वास्तुकला कौशल को परखने के उद्देश्य से अंतरसादनीय रंगोली प्रतियोगिता एवं दिवाली महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें अथर्व नाज, युविका, अन्वि सिंह, तन्वि फातिमा, अबू शमा,अयांश गुप्ता,राध्या, शौर्य, वंश, अंशिका,पुनर्वा,सलोनी, पार्थिका, आरिका,जिया, मिनी, दृष्टि, अक्षिता, दिव्यांशु पाल, इशानी,भूमिका, धनमाही माँगत, अवनि चाहल,विधि, अंशिका आदि विद्यार्थियों ने दीया रूप सज्जा, कलश सज्जा एवं कंडील निर्माण में भाग लिया। रंगोली निर्माण में अगम्य सदन से हर्षि,आराध्य, निष्ठा, मयंक, वैष्णवी, ग्रेशी,मानवी, पल्लवी,तनिष्का, स्नेहा, अतुल्य सदन से गुनिका,प्रज्ञा, अंशिका, अविका, जान्वि, श्रीजिका, आलिया, मानवी सिरोही, दक्ष, वंशिका, अपराजित सदन से हंशिका,यशप्रीत, कृष्णा,रुद्र लिट्ट, पवित्र, हिबा, प्रणय,कनक, अंशी, रुद्र वर्मा एवं अग्रिम सदन से लवन्या, दिशा, इति,कनिष्का, ज्योत्स्ना,इशित, गुरमनप्रीत, एवं अक्षा आदि ने भाग लिया। प्रतियोगिता के इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित मनमोहक एवं अद्भुत प्राकृतिक दृश्यों को साकार करने वाली विभिन्न रंगोलियाँ एवं सुसज्जित विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ सभी के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के चित्रकला कौशल एवं विभिन्न रंगों को प्राकृतिक रूप प्रदान करने की कला के आधार पर



अतुल्य सदन को प्रथम, अगम्य सदन को द्वितीय तथा अपराजित और अग्रिम सदन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों के इस कौशल की प्रशंसा करते हुए बताया कि प्राकृतिक दृश्यों को साकार करने वाली रंगोली उदास मन को भी उमंग और उत्साह से परिपूर्ण कर देती है। इस अवसर पर प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह और अनिल कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना शुभाषीश प्रदान किया एवं निदेशक अमन लिट्ट एवं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वे इन मनमोहक रंगों की तरह अपने जीवन में प्रतिपल एक नए उत्साह का संचार करते रहें। अंतरसदनीय रंगोली प्रतियोगिता संबंधी समस्त गतिविधि का संचालन गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक द्वारा किया गया। शिवानी सरोहा, सुचित्रा सिंह, चिरंजीव कौर, सरिता, ममता, चांदनी बत्रा,नाहिद नकवी, गुलफशा, नेहा खान, मोनिका विश्नोई, अंजलि चौधरी, शालिनी वर्मा, हुमा परवीन, शिवानी थॉमस, नेहा खन्ना,नाहिद रहमान, शगुन सैनी, कृतिका भटनागर, शिवानी गुप्ता, पायल, आयुषी यादव, धीरज महलवार, मोहम्मद फुरकान सैफी, राहुल शांक्या, प्रेरणा रावत, खुशबू चौधरी, शिखा आनंद, अनुज यादव, स्वाति चौधरी, सुरभि, मोहिनी वर्मा, नीतू राज, मोनिका यादव, मीना अग्रवाल, चांदनी माहौर, अनूद तैय्यब, खान, आफरीन जहाँ, दीपांशी चौधरी, तोषी यादव, हुमा बेबी, अंजना देवी, इस्तेखार अहमद, स्वीटी यूसुफ, विजय सिंह सैनी, राधा कृष्णा, साक्षी, याचिका मंगत, गगन चौधरी, सिमरन बत्रा, लाइवा नूर, एवं ज्योति सैनी सुनीता चौधरी, शालिनी भारद्वाज, शगुफ्ता हमीद, अजीत सिंह, संतोष कुमार, अभिषेक सुमन, शीतल यादव, शुभम शर्मा, शुभम पांडे, सुमित कुमार, दिग्विजय सिंह, दीपक कुमार, कपिल कुमार गुप्ता, अजरा नकवी, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, सोनू, जागृति कौशिक, सचिन कुमार शर्मा, विपिन कुमार, साक्षी गुप्ता, ललित थॉमस, असनिया सिद्दीकी, सामिया अंसारी, मोहम्मद समीर, आदि उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिता में रहा उच्च प्राथमिक विद्यालय दाउद सराय का दबदबा



अमरोहा (सब का सपना):- उच्च प्राथमिक विद्यालय दाउद सराय के प्रांगण में न्याय पंचायत अव्वलपुर, विकासखंड- अमरोहा की मिनी क्रीडा एवं शैक्षिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन के सुपुत्र निखिल जैन एवं खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ 50 मी दौड़ बालिका वर्ग से शुभारम्भ हुआ जिसमें अनमता खेतापुर प्रथम व हर्षिता पंजूसराय द्वितीय, बालक वर्ग में शारिक पंजू सराय प्रथम व फैजान खेतापुर द्वितीय स्थान पर रहा. 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में आदिल पंजूसराय फर्स्ट और वलिद दाउद सराय द्वितीय,बालिका वर्ग की 100 मीटर दाउद सराय दौड़ में अलफिजा पंजूसराय प्रथम एवं अरसीन दासराय द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में अर्श पंजूसराय प्रथम एवं इब्राहिम अवलपुर द्वितीय स्थान पर रहे. 200 मीटर दाउद सराय बालिका वर्ग में सहजीन पणजी सारी प्रथम एवं अनमता द्वितीय स्थान पर रहे 400 मीटर दौड़ में अफान प्रथम एवं इब्राहिम अव्वलपुर द्वितीय पर रहे। जूनियर स्तर में 100 मीटर दौड़ में सुभान खेतापुर प्रथम एवं अरहान उच्च प्राथमिक दाउद सराय पर रहे। 200 मीटर दौड़ में अल्तमस दाऊद सराय प्रथम एवं असद खेतापुर द्वितीय स्थान पर रहे. लंबी कूद में अनुज दाऊद सराय फर्स्ट और शोएब दाउद सराय सेकंड पर रहे। बालिका वर्ग में संध्या कंकरखेड़ा प्रथम एवं डोली खेतापुर द्वितीय स्थान पर रही. गोला फेंक में उच्च प्राथमिक विद्यालय दाउद सराय के शुएब प्रथम एवं आरिश द्वितीय स्थान पर रहे. बालिका वर्ग गोला दाउद सराय में राजनंदनी प्रथम कबड्डी और खो खो में भी उच्च प्राथमिक विद्यालय दौसराय प्रथम पर रहा। निर्णायक मंडल में सर्व प्रमोद कुमार, महेश कुमार योगाचार्य, अखिलेश कुमार, शिखा गुप्ता निवास पोसवाल लक्ष्मण सिंह धर्मपाल सिंह आकाश गुप्ता अमित कुमार मेघराज सिंह सहित चल जबर सिंह ज्योति यादव राजीव कुमार रजनी रानी शादबी सतपाल सिंह एवं निकांक्षी उपस्थित रहे. उच्च प्राथमिक विद्यालय दाउद सराय के प्रभारी प्रधानाध्यापक वरण सिंह ने सभी का आभार व्यक्त कर और सभी विजेता बच्चों को बधाई के साथ खेल का समापन किया।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत लहसुन व प्याज बीज का वितरण शुरू



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को काल लहसुन का बीज वितरण किया जा रहा है। इस योजना में दो हेक्टेयर अनुसूचित जाति वर्ग तथा 10 हेक्टेयर सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के किसानों को लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी लक्ष्य के अनुरूप विभाग द्वारा लहसुन बीज का वितरण कार्य तेजी से चल रहा है। जिला उद्यान अधिकारी के अनुसार, योजना का उद्देश्य किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना और बागवानी फसलों के क्षेत्रफल को बढ़ाना है। लहसुन की खेती से किसानों को बेहतर उत्पादन और बाजार में अच्छी कीमत मिलने की संभावना है। इसी योजना के अंतर्गत प्याज का बीज भी विभाग को प्राप्त हो गया है, जिसका वितरण किसानों के बीच शुरू कर दिया गया है। किसान विभाग के निर्धारित केंद्रों पर आकर अपना पंजीकरण करवाकर पात्रता के आधार पर बीज प्राप्त कर सकते हैं। अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे समय पर बीज लेकर खेतों में बुवाई करें, ताकि समय पर फसल तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की यह योजना किसानों के हित में चलाई जा रही है, जिससे बागवानी फसलों को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। विभाग द्वारा वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद ही बीज दिया जा रहा है। किसान भाई अधिक जानकारी के लिए नजदीकी उद्यान विभाग कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

रजबपुर में कोर्ट के आदेश पर चार लोगों पर केस दर्ज, युवक के साथ मारपीट व गर्म दूध फेंकने का मामला



रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और विवाद का बीच बचाव करने वाले युवक के ऊपर गर्म दूध फेंक कर घायल करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। आरोप है कि आरोपियों द्वारा एक व्यक्ति के साथ पहले मारपीट की गई जिसका बीच बचाव करने पहुंचे व्यक्ति पर आरोपियों ने कढ़ाई में खोल रहे गर्म दूध को फेंक दिया और उसे घायल कर दिया। बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के गांव महेशरा का है जहां के निवासी संजीव कुमार पुत्र बलवीर ने कोर्ट में दिए आवेदन में बताया कि 28 अगस्त को सुबह करीब आठ बजे उनका भतीजा सोविन मुलकटा गांव जा रहा था। रास्ते में गांव के विनोद पुत्र छोटे लाल, विनीत पुत्र विनोद, पुनीत पुत्र विनोद और पुनीत के साले ने उसे मिठाई की दुकान के सामने रोक लिया।आरोप है कि चारों ने सोविन से गाली-गलौज और मारपीट की। शोर सुनकर संजीव कुमार वहां पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। संजीव के मुताबिक, विनीत ने लोहे के पटरे से रोबिन पर वार किया। इसके बाद आरोपियों ने कढ़ाई में रखा गर्म दूध संजीव पर फेंक दिया। इससे वह झुलस गए।आवेदन के अनुसार, संजीव को 2 सितंबर को जिला अस्पताल अमरोहा में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ रेफर किया गया। आरोप है कि शिकायत के बाद भी स्थानीय पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद 9 और 28 सितंबर को पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक से आवेदन भेजे गए, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।इसके बाद संजीव ने कोर्ट का रुख किया। 5 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर रजबपुर पुलिस ने विनोद, विनीत, पुनीत और पुनीत के साले (नाम-पता अज्ञात) के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।रजबपुर थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

धनतेरस पर अमरोहा पुलिस अलर्ट, एसपी ने बाजारों में किया पैदल गश्त





अमरोहा (सब का सपना):- धनतेरस एवं आगामी त्योहारों के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया व क्षेत्राधिकारी नगर प्रदीप कुमार के साथ प्रमुख बाजारों में पैदल गश्त किया। शुक्रवार को थाना प्रभारी अमरोहा नगर, स्वॉट टीम सहित स्थानीय पुलिस बल के साथ थाना अमरोहा नगर क्षेत्रान्तर्गत कोर्ट चौहारा, सराफा बाजार, कोतवाली तिराहा, गुजरी मौहल्ला, हिन्दू कॉलेज रोड, अम्बेडकर चौराहा पर पैदल गश्त की गई। पैदल गश्त के दौरान प्रमुख बाजारों एवं व्यस्त मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा उन्हें सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया गया। बाजार क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग की गई तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय पुलिस बल को धनतेरस एवं आगामी त्योहारों के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने, नियमित पैदल गश्त एवं वाहन चेकिंग करने तथा बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

धनौरा स्थित निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान महिला की मौत,सड़क पर शव रखकर परिजनों ने किया जमकर हंगामा,सड़क जाम

अस्पताल संचालक अपना बैनर व पोस्टर हटाकर मौके से फरार, पुलिस शुरू की जांच पड़ताल





धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में डिलीवरी के दौरान एक महिला की मौत हो गई जिसके बाद मृतक महिला के परिजनों ने महिला के शव को सड़क पर रखकर जमकर हंगामा किया हंगामा के दौरान उन्होंने सड़क को भी जाम कर दिया। इस मामले में मृतक महिला के परिजनों ने अस्पताल संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उधर हंगामे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हंगामे को शांत कराया और जाम को खुलवाया। उधर अस्पताल संचालक हंगामे की स्थिति को बढ़ता देख अपने बैनर और पोस्टर हटाकर अस्पताल पर ताला मार कर मौके से फरार हो गया। हंगामा के दौरान मौके पर धनौरा क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया भी मौके पर पहुंची जिन्होंने परिजनों से शांतिपूर्वक बातचीत कर मामला साथ कराया और पुलिस को इस मामले में गहनता से जांच पड़ताल करने की बात कही।

बता दें कि बछरायूं के मोहल्ला पीरजदगान के रहने वाले गौरव कुमार प्रजापति बाइक मैकेनिक का काम करते हैं। गौरव की शादी 31 नवंबर 2025 को मुरादाबाद जिले के बिलारी थाना क्षेत्र की रहने वाली पायल(21) से हुई थी।पत्नी पायल को गुरूवार की दोपहर करीब 12 बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। इसके बाद उसे अमरोहा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। दोपहर करीब 3 बजे ऑपरेशन से डिलीवरी हुई। पायल ने बेटी को जन्म दिया। प्रसव के बाद उसे होश आ गया था, लेकिन रात करीब 12 बजे पायल की तबीयत बिगड़ने लगी।इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने पायल को दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। चौधरपुर अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने जांच कर पायल को मृत घोषित कर दिया।पायल की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। अस्पताल पर कार्रवाई की मांग करते हुए शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे सड़क जाम कर हंगामा शुरू कर दिया।इस दौरान अस्पताल संचालक अस्पताल से बैनर हटाकर अस्पताल में ताला लगाकर फरार हो गया। हंगामा बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सुबह करीब 8 बजे परिजनों को शांत कर सड़क पर जाम खुलवाया लेकिन, परिजन अपनी मांग को लेकर अड़े रहे।उन्होंने फिर सड़क जाम कर दी। परिजनों ने अस्पताल संचालकर को गिरफ्तार करने, सीओ के मौके पर बुलाने की मांग की।सूचना पर सीओ अंजलि कटारिया भी मौके पर पहुंची। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। जिसके बाद परिजनों ने जाम खुलवाया।

पुलिस ने पंचमाना भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।मंडी धनौरा थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ पहुंचकर जाम को खुलवा दिया है। वहीं परिजन उच्चाधिकारियों और मृतक के परिजनों का इंतजार कर शव को अस्पताल के बाहर एंबुलेंस में लेकर बैठें हुए रहे। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने परिजनों को आश्वस्त किया कि तहरीर के आधार पर कारवाई की जाएगी।

गजरौला में दीपावली व धनतेरस पर सजीं दुकानें, रंग-बिरंगे प्रकाश से रोशन हुआ गजरौला का नगर

धनतेरस पर दुकानों पर खरीदारी करने पहुंचे लोगों की लगी भीड़, चेहरों पर खुशी का माहौल







गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रंग बिरंगे प्रकाश के महापर्व दीपावली के पावन पर्व को देशभर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है इसके साथ ही धनतेरस एवं भैया दूज के पर्व को भी भारतीय संस्कृति के अनुसार लोग बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। जिसको लेकर इस बार भी गतवर्षों की भांति दीपावली के त्यौहार को लेकर जनपद के सभी नगरों में दुकानें सज गई हैं जिन पर खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती दिखाई दे रही है। बता दें कि शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर लोगों ने जनपद के गजरौला नगर में सजीं दुकानों पर खूब खरीदारी की। माना जाता है कि धनतेरस के दिन जो लोग अपने घर में झाड़ू व लक्ष्मी जी के सिक्के की मूर्ति खरीद का घर में लाते हैं तो उनके घर में महालक्ष्मी एवं कुबेर महाराज की विशेष कृपा होती है।दीपावली के अवसर पर लोगों के चेहरों पर खुशी का माहौल देखने को मिला वहीं धनतेरस के अवसर पर लोगों ने ज्वेलरी की दुकानों पर, रंग बिरंगी लाइटों की दुकानों पर, मिठाई की दुकानों पर, सजावट की दुकानों पर, गिफ्ट आदि की दुकानों पर जाकर खूब खरीदारी की।

धनतेरस के अवसर पर गजरौला का बाजार आधी रात के बाद भी रंग बिरंगी लाइटों से प्रकाशमान रहा। मध्य रात्रि के बाद भी लोग गजरौला के बाजारों से खरीदारी करते नजर आए। इस दौरान लोगों के चेहरे पर दीपावली को अपने और अपने परिवार के लिए शुभ और मंगलमय बनाने के लिए तरह-तरह की चीजों की खरीदारी करने की लालसा दिखाई दी।

धनतेरस पर बाजारों में उमड़ा जनसैलाब, देर शाम तक रही रौनक

बर्तन, आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर लगी ग्राहकों की भीड़, जमकर हुई खरीदारी





बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में धनतेरस का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। धनतेरस के अवसर पर नगर के बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे बाजारों में रौनक बढ़ती चली गई। शाम होते-होते बाजारों में पैर रखने तक की जगह कम पड़ गई। लोगों ने शुभ मुहूर्त में खरीदारी करते हुए त्योहार की खुशियों को दोगुना किया। धनतेरस पर खरीदारी का विशेष महत्व होने के चलते लोगों ने बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, घरेलू उपकरण और सजावटी वस्तुओं की जमकर खरीदारी की। विशेष रूप से बर्तनों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। वहीं आभूषणों की दुकानों पर भी ग्राहकों का अच्छा खासा जमावड़ा रहा। दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया हुआ था। नगर के मुख्य बाजार, नया बाजार, ब्रह्म बाजार सहित अन्य बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। बाजारों में खरीदारी करने के लिए परिवारों के साथ पहुंचे लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बच्चों ने भी अपनी पसंद की वस्तुएं खरीदीं। वहीं मिठाई, सजावट और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ लगी रही। दीपावली के नजदीक आने के चलते लोगों ने घरों को सजाने और रोशनी से जगमग करने के लिए झालर, लाइट, दीपक और अन्य सजावटी सामान की खरीदारी की। धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़ के चलते कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित होता नजर आया। दुकानों के बाहर ग्राहकों की भीड़ और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही से बाजारों में काफी चहल-पहल रही। इसके बावजूद लोग पूरे उत्साह के साथ खरीदारी करते दिखाई दिए।वहीं धनतेरस पर ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखकर व्यापारियों के चेहरे भी खिले नजर आए। दुकानदारों को त्योहार के मौके पर अच्छे कारोबार की उम्मीद रही। कुल मिलाकर धनतेरस के पर्व पर बहजोई के बाजार पूरी तरह गुलजार रहे और देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा।

ट्रक की साइड लगने से कार हुई अनियंत्रित, पांच लोगों की बाल-बाल बची जान

शादी के कार्ड बांटने जा रहे थे कार सवार, दो महिलाओं को आई मामूली चोटें, बड़ा हादसा टला





बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे बबराला रोड पर एसओजी कार्यालय के सामने ट्रक और चार पहिया कार के बीच हादसा हो गया। ट्रक की साइड लगने से कार अनियंत्रित होकर तिरछी हो गई और ट्रक के सामने पहुंच गई। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कार में सवार पांच लोगों की जान बाल-बाल बच गई। हादसे में दो महिलाओं को मामूली चोटें आई हैं, जबकि अन्य लोग पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राम बहादुर पुत्र हैप्पी सिंह उम्र 45 वर्ष निवासी गांव कमालपुर थाना बहजोई, संजय गौतम पुत्र श्रीराम उम्र 38 वर्ष निवासी धतुरा शेख थाना बहजोई, संतरेश पत्नी संजय गौतम उम्र 36 वर्ष, राधा पुत्री श्रीराम उम्र 21 वर्ष तथा सावित्री पत्नी श्रीराम उम्र 62 वर्ष कार में सवार थे। सभी लोग घर से शादी के कार्ड बांटने के लिए निकले थे। परिवार के लोग रिश्तेदारों और परिचितों को शादी के कार्ड बांटने जा रहे थे। इसी दौरान जब उनकी कार बबराला रोड स्थित एसओजी कार्यालय के सामने पहुंची तो पीछे से आ रहे ट्रक ने कार में साइड मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही कार का संतुलन बिगड़ गया और वह तिरछी होकर ट्रक के सामने आ गई। अचानक हुई इस घटना से कार में बैठे लोगों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर कार सवारों का हाल जाना। हादसे में दोनों महिलाओं को मामूली चोटें आईं, जबकि अन्य लोग सुरक्षित रहे। वहीं ट्रक चालक भी बिलारी का निवासी बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की जानकारी होने पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से मामले का निपटारा कर लिया। किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई की स्थिति सामने नहीं आई। गनीमत रही कि ट्रक की साइड लगने के बावजूद कार सवारों को गंभीर चोटें नहीं आईं और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। लेकिन कार का एक साइड का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया

जनपद स्तरीय युवा उत्सव का भव्य आयोजन, युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

नुक्कड़ नाटक, लोकगीत, लोकनृत्य, कविता लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने किया शानदार प्रदर्शन





बहजोई/संभल(सब का सपना):- शुक्रवार को विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग (VBYLD) के अंतर्गत युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग संभल के तत्वावधान में जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन बहजोई डिग्री कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी कला, रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश गुलाब देवी के प्रतिनिधि रामपाल उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार नेता जी, प्रबंधक नीरज वार्ष्णेय एवं प्राचार्य डॉ. वीके गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि रामपाल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं की प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने युवाओं से अपनी कला और संस्कृति को समाज से जोड़ने तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं को केवल जीत-हार के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि प्रतिभागिता को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक युवाओं को इनमें हिस्सा लेना चाहिए। प्रतियोगिताओं के परिणामों में नुक्कड़ नाटक में राजकीय इंटर कॉलेज सिरसी ने प्रथम तथा हीरा देवी तोताराम इंटर कॉलेज बहजोई के छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लोकगीत समूह प्रतियोगिता में अक्षय योगी एवं टीम प्रथम, शिवानी एवं टीम द्वितीय तथा ओमप्रकाश एवं टीम तृतीय स्थान पर रहे। कविता लेखन में ऋतु धनकर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पेंटिंग प्रतियोगिता में भारत सिंह प्रथम रहे। वहीं लोकनृत्य समूह प्रतियोगिता में उड़ान आर्टिस्ट ग्रुप की छात्राओं ने प्रथम, हीरा देवी तोताराम इंटर कॉलेज की शिवानी एवं टीम ने द्वितीय तथा युग निर्माण की पायल एवं टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को जिला युवा अधिकारी माई भारत सचिन कुमार ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में ममता राजपूत, मुक्ता, ऋचा वर्मा, पंचम सिंह, सोनकी वर्मा एवं साल्वी शामिल रहीं। मंच संचालन बहजोई इंटर कॉलेज के प्रवक्ता राजीव वार्ष्णेय ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नितिन कुमार, चित्रवीर सिंह, विनीत सिंह, संजू रानी, जगजीत सिंह एवं कनिष्ठ सहायक विभा चौहान सहित अन्य लोग मौजूद

बहजोई महाविद्यालय में दीपोत्सव पर दीप सज्जा और रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन





बहजोई/संभल (सब का सपना):- बहजोई महाविद्यालय में दीपावली के पावन पर्व पर दीपोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान दीप सज्जा प्रतियोगिता वेस्ट मैटेरियल प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार नेता जी सचिव नीरज कुमार वार्ष्णेय गोपी आयल मिल्स सदस्य धर्मेश वार्ष्णेय प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता डॉ. गीता और निर्णायक मंडल की सदस्यों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सचिव नीरज कुमार वार्ष्णेय ने सभी प्राध्यापकों और कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वहीं प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति के पर्व सामाजिक समरसता सौहार्द और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देते हैं। दीपोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की ओर से स्टाफ को दीपावली के उपहार और मिठाइयां भेंट की गईं। रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ग्रुप-1 ने प्रथम ग्रुप-2 ने द्वितीय और ग्रुप-4 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों ने बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीता ने किया। इस अवसर पर कविता वार्ष्णेय डॉ. रश्मि वार्ष्णेय दीप्ति वार्ष्णेय पारुल गुप्ता मोहिनी वार्ष्णेय डॉ. एकता वार्ष्णेय डॉ. गौरी गुप्ता संजय कुमार गौरव वार्ष्णेय दीप्ति रानी पूजा शर्मा प्रीति शर्मा यशपाल सिंह डॉ. ओपी सिंह डॉ. बलवीर नेमपाल सिंह रामतीरथ भुवनेश कुमार और राजीव कुमार सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संभल में बाल विद्या मंदिर में धूमधाम से मना दीपावली महोत्सव

रंगोली प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग में विश्वास हाउस प्रथम





संभल (सब का सपना):- बाल विद्या मंदिर स्कूल में शुक्रवार को दीपावली महोत्सव प्रगति उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। पूरे विद्यालय परिसर में दीपावली की खुशियों के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं की सुंदर छटा देखने को मिली। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी थीम ASK - Where Curiosity Begins, Learning Blooms रखी गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में विश्वास हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में तरन्नुम अकील, साक्षी रस्तोगी एवं नाज़िश फातिमा शामिल रहीं। वहीं फाउंडेशन विंग में The Treasures of Traditioa, Values & Virtues थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी देश-विदेश की विभिन्न पारंपरिक वेशभूषाओं में सजकर विद्यालय पहुंचे। कुछ बच्चों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, माता लक्ष्मी, माता सरस्वती एवं भगवान गणेश के स्वरूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की इन प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था, विविधता और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रबंधक अमिताभ गर्ग ने अपने संबोधन में परंपराओं, संस्कारों और जीवन-मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने के साथ उनमें अच्छे संस्कार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाचार्य मनीष पंवार ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देते हैं।

समारोह के अंत में शिक्षकों ने गीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियां देकर दीपावली उत्सव को और भी यादगार बना दिया। विद्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए अब संगठनों की भी लेंगे मदद, लगेंगे विशेष कैंप



लखनऊ। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) में कोई भी पात्र नागरिक नाम दर्ज कराने से छूटे नहीं, इसके लिए निर्वाचन विभाग अब सामाजिक और व्यावसायिक संगठनों की भी मदद लेगा। सार्वजनिक व निजी औद्योगिक संस्थानों, आवासीय कल्याण समितियों (आरडब्ल्यूए), अधिवक्ता संगठनों, श्रमिक एवं व्यापारिक संगठनों और चिकित्सा संस्थाओं के सहयोग से पात्र मतदाताओं को चिह्नित कर उनका पंजीकरण कराया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए कार्यस्थलों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। वहीं, आवासीय सोसाइटी, बहुमंजिला अपार्टमेंट और कालोनियों में आरडब्ल्यूए की मदद से नए निवासियों, पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और अब तक पंजीकरण से छूटे पात्र नागरिकों की पहचान की जाएगी। निर्वाचन विभाग की नजर खास तौर पर उन वर्गों पर भी है, जिनके नाम अक्सर मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाते। नागरिक सुरक्षा संगठनों के स्वयंसेवकों की मदद से घनी आबादी वाले मोहल्लों और मलिन बस्तियों में छूटे मतदाताओं को चिह्नित किया जाएगा। श्रमिक संगठनों के माध्यम से कारखानों, औद्योगिक क्षेत्रों और निर्माण स्थलों पर संगठित व असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, संविदा तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का पंजीकरण कराया जाएगा। व्यापारिक संगठनों को भी मतदाता जागरूकता और पंजीकरण अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए), निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से उनके परिसरों में शिविर लगाने के साथ मलिन बस्तियों और दूरस्थ क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अधिवक्ता संगठनों और बार एसोसिएशनों से भी समन्वय स्थापित किया जाएगा।

इसके अलावा वर्तमान और पूर्व ग्राम प्रधानों, पार्षदों, समाजसेवियों तथा प्रतिष्ठित नागरिकों की मदद से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची से छूटे पात्र लोगों की पहचान की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को संगठनों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर विशेष अभियान दिवसों और अन्य उपयुक्त अवसरों पर पंजीकरण शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में अब अंकों के साथ विद्यार्थियों के व्यवहार और प्रतिभा का भी होगा आकलन, पैरेंट्स भी देंगे राय



लखनऊ। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा नौ और दस के विद्यार्थियों का मूल्यांकन अब केवल परीक्षा के अंकों तक सीमित नहीं रहेगा। व्यवहार, रचनात्मकता, सोचने-समझने की क्षमता, समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी भी परखी जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश में समग्र प्रगति पत्रक लागू किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थी के स्व-मूल्यांकन के साथ शिक्षक, सहपाठी और अभिभावक भी उसकी प्रगति पर राय देंगे। समग्र शिक्षा की राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने जिला विद्यालय निरीक्षकों को शिक्षकों की कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। कक्षा नौ और 10 के लिए अलग-अलग तैयार प्रगति पत्रक 12-12 पृष्ठ के होंगे और तीन भागों में बंटे होंगे। पहले भाग में विद्यार्थी, विद्यालय और अभिभावक का विवरण, शारीरिक वृद्धि, पोषण और स्वास्थ्य जांच दर्ज होगी। दूसरे में समग्र विकास और तीसरे में विषयवार प्रदर्शन, परीक्षा के अंक और उपस्थिति का ब्योरा रहेगा। मूल्यांकन में समस्या समाधान, रचनात्मक सोच, मिलकर काम करना, कला, संगीत, योग, खेलकूद, करियर रुचि और सामाजिक कार्यों में भागीदारी भी शामिल होगी। प्रदर्शन को अधिकांशतः, कभी-कभी और सुधार की आवश्यकता श्रेणियों में दर्ज किया जाएगा। शैक्षणिक ब्योरे में अर्द्धवार्षिक, आंतरिक, प्रयोगात्मक और वार्षिक परीक्षा के अंक शामिल होंगे। प्रगति पत्रक विद्यालयों को भेजने, 10 नवंबर तक डिजिटल प्रति उपलब्ध कराने, 12 नवंबर तक प्रधानाचार्यों की कार्यशाला और 14 नवंबर तक शिक्षक प्रशिक्षण के निर्देश हैं।

इस माह में अभिभावक-शिक्षक बैठक होगी। हर जिले में निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नामित होगा। पहले पृष्ठ पर क्यूआर कोड से पत्रक

पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त बाइक और पिस्टल बरामद



बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बनियाठेर क्षेत्र में युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड में वांछित मुख्य आरोपी को गुरुवार रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरे आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से 32 बोर की पिस्टल, खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, बुधवार को थाना बनियाठेर में विगनेश कुमार उम्र 36 वर्ष पुत्र बिजेंद्र निवासी भारतल मादापुर थाना हजरतनगर गढ़ी ने तहरीर देकर बताया था कि आरोपियों ने षड्यंत्र रचकर उसके भाई विक्रम उम्र 35 वर्ष की गोली मारकर हत्या कर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। इसी क्रम में गुरुवार रात थाना बनियाठेर पुलिस टीम ने ग्राम मोहम्मदगंज से संभल-चंदौसी मार्ग पर जाने वाले रास्ते पर पुलिस मुठभेड़ के दौरान हत्याकांड में वांछित मुख्य आरोपी अंकुश पुत्र विजयपाल को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल, पिस्टल में फंसा एक खोखा कारतूस, मैगजीन में लगा एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई। वहीं, पुलिस ने शुक्रवार को मुकदमे में वांछित दूसरे आरोपी आदर्श पुत्र मनोज कुमार को ग्राम मऊ अस्सु रेलवे फाटक के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

चंडीगढ़ के कैदियों की मिठाइयों की भारी डिमांड, एक ही बार में बिक गई 10 क्विंटल; दुकान पर पहुंचे लोग लौटे खाली हाथ

चंडीगढ़। दीवाली पर चंडीगढ़ की बुड़ैल स्थित मॉडल जेल के कैदियों के हाथों से बनी मिठाई की भारी डिमांड है। ऑर्डर पर एक ही बार में 10-10 क्विंटल बिक रही है, जिससे आम लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सेक्टर-22 स्थित सृजन शॉप पर दीवाली से पहले ही मिठाई का स्टॉक लगभग खत्म हो गया है। जेल में तैयार होने वाली मिठाइयों की गुणवत्ता, शुद्धता और स्वाद के चलते हर साल त्योहारों पर इनकी काफी मांग रहती है। इस बार पंजाब राजभवन, चंडीगढ़ पुलिस और अन्य सरकारी विभागों से बड़े पैमाने पर मिठाई के ऑर्डर मिले हैं। अकेले पंजाब लोक भवन की ओर से ही सृजन शॉप को 10 क्विंटल मिठाई का ऑर्डर दिया गया था। इसके अलावा एक अन्य सरकारी विभाग की ओर से पौने दो क्विंटल मिठाई की मांग की गई। कई दूसरे सरकारी विभागों ने भी बड़ी मात्रा में मिठाई के ऑर्डर दिए। इन ऑर्डर की आपूर्ति



करने में ही मिठाई का अधिकांश स्टॉक खत्म हो गया।

कैदियों बनाते हैं कई तरह की मिठाई

मॉडल जेल में बंद कैदी खुद मिठाइयां तैयार करते हैं। ताजा मिठाई बनाने के बाद इसे सेक्टर-22 स्थित सृजन शॉप तक पहुंचाया जाता है। यहां खोया बर्फी, मिल्क केक, बेसन बर्फी, बेसन लड्डू, बूंदी के लड्डू के साथ रसगुल्ले और गुलाब जामुन जैसी मिठाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं।इन मिठाइयों की खासियत इनका ताजा होना और जेल में तैयार होने के कारण इनकी गुणवत्ता पर ग्राहकों का भरोसा है। सरकारी विभागों के बड़े ऑर्डर पूरे करने के चलते आम ग्राहकों के लिए मिठाई की उपलब्धता बेहद सीमित रह गई है। ऐसे में इस दीवाली कई परिवारों के घरों तक जेल में बनी मिठाई की मिठास नहीं पहुंच पाएगी।

> चंडीगढ़ की बुड़ैल मॉडल जेल के कैदियों के हाथों से बनी मिठाई की दीवाली पर भारी मांग है। पंजाब लोक भवन और अन्य सरकारी विभागों से बड़े ऑर्डर के कारण मिठाई बिक चुकी है, जिससे आम ग्राहकों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

कर्मभूमि एक्सप्रेस में लगी आग, चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रहा अलर्ट; यहीं से होकर गुजरी कई ट्रेनें



चंडीगढ़। अमृतसर से पश्चिम बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12408 में शुक्रवार दोपहर आग लगने से चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर अलर्ट रहा। कई ट्रेनों को रूट डायवर्ट होने से चंडीगढ़ से ही गुजारा गया। जब ट्रेन में आग लगी तो यात्रियों में हड़कंप मच गया। इंजन से पांचवें डिब्बे तक धुआं निकलता दिखाई देने के बाद रेलवे प्रशासन में भी अफरातफरी मच गई। एहतियात के तौर पर ट्रेन को राजपुरा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को सतर्क किया गया। इस घटना के कारण श्रीनगर-जालंधर-अंबाला अप-डाउन दोनों रेलवे लाइनें कई घंटे तक बाधित रहीं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक सरहिंद से होकर गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनें प्रभावित हुई।कई ट्रेनों को डायवर्ट करके चंडीगढ़ के रास्ते चलाया गया हैं। जिसमें कोलकाता से अंब अंदौरा जाने वाली गुरूमुखी साप्ताहिक सुपर-फास्ट एक्सप्रेस और अंबाला कैंट से करटोली जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, माता वैष्णो देवी कटड़ा से डॉ. अंबेडकर नगर जाने वाली मालवा एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शामिल हैं।

पंजाब पुलिस के स्पेशल डीजीपी का भतीजा बनना चाहता था लॉरेंस की तरह गैंगस्टर, 5 करोड़ रंगदारी केस में पहुंचा जेल

मोहाली। पंजाब के स्पेशल डीजीपी रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की भाभी अमरीन राय और भतीजा आकाशदीप अब अपराध की दुनिया में कदम रख चुके हैं। आकाशदीप सिंह लॉरेंस बिश्नोई की तरह गैंगस्टर बनकर अपराध की दुनिया में नाम कमाना चाहता था। पूछताछ में पता चला था कि वह गैंगस्टरों के तौर-तरीकों से प्रभावित था और उनकी तरह अपना दबदबा बनाना चाहता था।Kमोहाली में पांच-पांच करोड़ रुपये की फिरौती के लिए तीन घरों पर फायरिंग के मामलों में गिरफ्तार आकाशदीप को पुलिस ने चार्जशीट में मुख्य आरोपित बनाया है। पुलिस के अनुसार, तीनों वारदातों में उसकी अहम भूमिका थी। वह फिलहाल जेल में बंद है। आकाशदीप की मां अमरीन राय को 18 मार्च 2026 को चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-9 में हुए चिन्नी कुबाहेड़ी हत्याकांड में गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि प्रॉपर्टी विवाद के चलते अमरीन ने गैंगस्टर लक्की पटियाल को सुपारी देकर चिन्नी



की हत्या करवाई थी।मां के संबंध लक्की पटियाल से जुड़े बताए गए, जबकि बेटा लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग से प्रभावित होकर अपराध की दुनिया में पहचान बनाना चाहता था। अमरीन को चंडीगढ़ पुलिस और आकाशदीप को मोहाली पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों जेल में हैं।तीन घरों पर फायरिंग में मुख्य भूमिका मोहाली में फिरौती के लिए घरों पर फायरिंग की तीन वारदातों की जांच में आकाशदीप की भूमिका सामने आई थी। विदेश में बैठे गैंग से जुड़े कुलवीर सिंह सिद्धू ने तीनों पीड़ितों से पांच-पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं मिलने पर घरों को निशाना बनाया गया। पहली वारदात चार-पांच सितंबर 2026 की रात फेज-10 में सैय्यम डुडेजा के घर पर हुई। इसके बाद सात सितंबर को उनके पार्टनर बलजीत सिंह के फेज-10 स्थित घर पर फायरिंग की गई। तीसरी वारदात 14 सितंबर को सेक्टर-104 में जगदीप सिंह मान के घर पर हुई। इस दौरान घर में काम कर रहा सचिन गोली लगने से घायल हो गया। तीनों मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई। खरड़ क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप बाजवा ने इस मामले में लगभग 8 आरोपितों को गिरफ्तार किया था।

चंडीगढ़ के नजदीक मोहाली बन रहा खेल नगरी, अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बढ़ा रुतबा; 'रंगला पंजाब' के लिए बड़ी उपलब्धि

मोहाली। देश के सबसे प्लान्ड सिटी चंडीगढ़ के नजदीक मोहाली अब खेलों के बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होने से मोहाली का रुतबा बढ़ा, जिससे युवाओं में भी खेलों के प्रति क्रेज बढ़ रहा है। नशे से दूर होकर युवाओं का खेलों की तरफ ध्यान लगाया रंगला पंजाब (खुशहाल और समृद्ध पंजाब) के लिए सुखद अहसास है। मोहाली को कभी आईटी और रिहायशी शहर के रूप में पहचाना जाता था। अब यहां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन हो रहे हैं।हाल ही में फेज-9 स्थित ओलिंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 4 और 5 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबले हुए। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत समेत कई देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। इन मुकाबलों से अंतरराष्ट्रीय हॉकी के नक्शे पर मोहाली की पहचान मजबूत हुई है।क्रिकेट भी शहर की खेल पहचान का अहम हिस्सा रहा है। पंजाब क्रिकेट



एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आईपीएल के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले आयोजित होते रहे हैं। इनसे दर्शकों को देश-विदेश के नामी क्रिकेटरों को देखने का अवसर मिला है। शूटिंग में भी मोहाली अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है।

फेज-6 स्थित शूटिंग रेंज में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी शूटिंग प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभा दिखाई। अलग-अलग खेलों के बड़े आयोजनों की मेजबानी से शहर में खेल गतिविधियों का दायरा बढ़ा है।

इससे मोहाली की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होने के साथ स्थानीय खिलाड़ियों को बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं और खेल वातावरण से जुड़ने का अवसर मिलता है। अब जरूरत है कि आयोजनों के साथ जमीनी स्तर पर खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने पर भी ध्यान दिया जाए। इससे मोहाली प्रतियोगिताओं की मेजबानी तक सीमित न रहकर देश को बेहतरीन खिलाड़ी देने वाला केंद्र बन सकता है।

चंडीगढ़ में फिर लौट के आया पीतल के बर्तनों का समय, परंपरा के साथ स्वास्थ्य से जुड़ा खरीदारी का ट्रेंड

चंडीगढ़। कहते है जमाना लौट के आता है। इसका प्रमाण बर्तन बाजार है। करीब तीन दशक के बाद अब पारंपरिक धातुओं से बने बर्तनों की चमक फिर से बिखरी। धनतेरस पर लोगों ने स्टील के बर्तनों के साथ-साथ पीतल (ब्रास) और कांसे के बर्तन भी खूब खरीदे। ऐसे में खरीदारी का ट्रेंड परंपरा के साथ स्वास्थ्य से जुड़ा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आधुनिक किचनवेयर और क्राकरी की ओर बढ़े रुझान के बीच एक बार फिर लोग पारंपरिक बर्तनों की तरफ लौट रहे हैं। धातु पुरानी है लेकिन इनसे बर्तन अलग-अलग डिजाइन के तैयार किए गए हैं। बाजारों में पीतल के बर्तनों की कई तरह की वैरायटी उपलब्ध रही। 200 रुपये की कटोरी और गिलास से लेकर 30 हजार रुपये तक के डिनर सेट ग्राहकों ने खरीदे। जरूरत और बजट को देखते हुए खरीदारी की। वहीं, इससे भी महंगे विकल्प के तौर पर कांसे के बर्तन मौजूद रहे। ग्राहकों ने पारंपरिक डिजाइन और अलग-अलग आकार के बर्तनों में दिलचस्पी दिखाई। बर्तन बाजारों में सिर्फ पीतल और कांसे ही नहीं, बल्कि स्टील के बर्तनों की भी अच्छी मांग रही। इसके अलावा क्राकरी, डिनर सेट, कांच के बर्तन और किचन से जुड़े दूसरे सामान की खरीदारी भी हुई।

फेस्टिवल सीजन पर घर जाने वालों को रेलवे की राहत, पंजाब से 15 जोड़ी ट्रेनें चलाईं; ज्वलनशील सामान ले जाने पर रोक



जालंधर। जालंधर के फेस्टिवल सीजन के चलते स्टेशनों पर बढ़ रही भीड़ को रहा देने की उद्देश्य से रेलवे की तरफ से 15 जोड़ी ट्रेनें चलाई जा रही हैं। वहीं भीड़ की स्थिति को देखते हुए ट्रेन और उनके कोच भी रिजर्व रखे हैं। डिविजनल रेलवे मैनेजर संजीव कुमार का कहना है कि यात्रियों की सुविधाओं को लेकर बड़े स्टेशनों अस्थाई वेटिंग एरिया बनाए गए हैं, मेडिकल टीम में हेल्प डेस्क तक स्थापित किए गए हैं। टिकट को लेकर कोई यात्रियों को दिक्कत ना आए इसलिए स्थिति अनुसार टिकट काउंटर और यूटीएस एप के जरिए टिकटिंग की सुविधा भी यात्रियों को मुहैया करवाई जाएगी।वार रूप हुए तैयार फिरोजपुर मंडल में सभी बड़े स्टेशनों किस स्थिति को मॉनिटर करने के लिए वार रूम बनाया गया है। जहां से हर स्टेशन की स्थिति को देखकर व्यवस्था को सुनिश्चित भी करने के लिए प्रबंध किए जाएंगे।राजपुरा हादसे की जांच जारी राजपुरा के पास अमृतसर से जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन में हुए हादसे की जांच चल रही है और अभी स्थिति के बारे में कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

तीसरी यात्रियों से अपील है कि वह संयम बनाए रखें। किसी प्रकार से ट्रेनों में धक्का मुक्की करके ना सवार हुए उनकी सुविधा को देखते हुए जब तक यात्री ट्रेनों में सवार नहीं होते ट्रेन को नहीं चलाया जाएगा।

चंडीगढ़ में रेसिंग कार के एडवेंचर से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, सेक्टर-17 में गो कार्टिंग शुरू करने की तैयारी



चंडीगढ़। सिटी ब्यूटीफुल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन अब बड़ा कदम उठाने जा रहा है। शहर में रेसिंग कार का एडवेंचर देखने को मिलेगा। सिटी हार्ट सेक्टर-17 में अब लोगों को खरीदारी, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ रेसिंग कार का रोमांच भी मिलेगा। यहां गो कार्टिंग शुरू करने का प्रस्ताव तैयार है। इस संबंध में पर्यटन के अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। तिरंगा पार्क के पास इसकी जगह तलाश की गई है जहां पर इस प्रोजेक्ट को शुरू किया जाएगा। निजी एजेंसी के सहयोग से पीपीपी मोड पर इसका संचालन होगा। संपदा विभाग को यह जगह ट्रांसफर करने के लिए कहा गया है।गो कार्टिंग में छोटी चार पहियों वाली रेसिंग कारों को विशेष ट्रैक पर चलाया जाता है। इसमें बच्चे और बड़े अपनी उम्र और निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार राइड का आनंद ले सकते हैं। देश के कई शहरों में निजी कंपनियां इसका संचालन कर रही हैं और प्रति राइड 500 से 1000 रुपये तक शुल्क लिया जा रहा है।चंडीगढ़ में भी इसे व्यावसायिक और पर्यटन गतिविधि के रूप में विकसित करने की संभावना है। प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार गो कार्ट के साथ दूसरे राज्यों के उन प्रोजेक्ट्स का भी अध्ययन किया गया है जो कि पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। शहर में हर साल 12 लाख पर्यटक चंडीगढ़ देखने के लिए आते हैं। सेक्टर-17 प्लाजा शहर का प्रमुख व्यावसायिक और सार्वजनिक स्थल है। यहां पहले से म्यूजिकल फाउंटेन, एम्फीथिएटर, लाइटिंग और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था है। गो कार्टिंग शुरू होने से प्लाजा में एक नई एडवेंचर गतिविधि जुड़ सकती है। इससे युवाओं के साथ परिवारों और दूसरे शहरों से आने वाले पर्यटकों को भी आकर्षित करने में मदद मिलेगी। प्रस्ताव तैयार करते समय ट्रैक के लिए जगह, कार्ट की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, संचालन एजेंसी और संभावित खर्च का आकलन किया जाएगा। इसके लिए निजी एजेंसी के सहयोग से पीपीपी मॉडल भी विकल्प हो सकता है। इसमें प्रशासन जगह उपलब्ध करवागा, जबकि निजी कंपनी उपकरण और संचालन की जिम्मेदारी संभाल सकती है। शुल्क और संचालन की शर्तें अंतिम मंजूरी के बाद तय होंगी। शहर में बड़े आयोजनों को आकर्षित करने के लिए सारंगपुर में करीब 25 एकड़ जमीन पर कॉन्सर्ट-कम-एग्जीबिशन सेंटर विकसित करने की योजना है। यहां बड़े कॉन्सर्ट, प्रदर्शनियां और सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इससे मोहाली और पंचकूला में होने वाले बड़े आयोजनों को चंडीगढ़ में लाने में मदद मिलेगी। सेक्टर-19 स्थित ले कार्बूजिए सेंटर में डिजिटल म्यूजियम विकसित करने की परियोजना को हेरिटेज कंजर्वेशन कमेटी की मंजूरी मिल चुकी है। इसमें डिजिटल तकनीक के माध्यम से चंडीगढ़ की वास्तुकला, इतिहास और शहर की योजना से जुड़ी जानकारी पर्यटकों को उपलब्ध कराने की तैयारी है। सुखना लेक और शहर के हरित क्षेत्रों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने की योजना है। इसमें बोटिंग, साइकिलिंग, ट्रेकिंग और पर्यावरण आधारित पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर है। सुखना लेक पहले से ही शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। सेक्टर-17 प्लाजा को फिर से जीवंत बनाने के लिए फाउंटेन, एम्फीथिएटर, आकर्षक लाइटिंग, प्रोजेक्टर मैपिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर काम किया गया है। इस दीपावली पर यहां करीब 20 हजार डिजिटल लाइट्स से चेरी ब्लॉसम थीम की सजावट भी की गई। अब गो कार्टिंग जैसी गतिविधि जोड़ने पर विचार हो रहा है।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027: ऑस्ट्रेलिया से चुनाव की तैयारी में जुटे गुरजिंदर गावी, परगट सिंह के साथ बनाई रणनीति

चंडीगढ़। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (IOC) ने IOC अध्यक्ष सैम पित्रोदा और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) की सचिव व इंडियन ओवरसीज कांग्रेस विभाग एवं विदेश मामलों की प्रभारी डॉ. आरती कृष्णा के नेतृत्व में एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की। कई देशों के क्वड चैप्टर के अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो पंजाबी प्रवासी समुदाय और आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों पर केंद्रित थी। यह बैठक यूएस सेंट्रल टाइम के अनुसार सुबह 9:00 बजे शुरू हुई, जो भारत में 2 नवंबर को रात 8:30 बजे और सिडनी में 3 नवंबर को तड़के 2:00 बजे का समय था। प्रतिभागियों में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्योराण और इंडियन ओवरसीज यूथ कांग्रेस ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एनआरआई एवं ओवरसीज कांग्रेस सेल



के अध्यक्ष गुरजिंदर सिंह गवी शामिल थे। पंजाब का बड़ा समुदाय विदेश में बसा पंजाब का एक बड़ा प्रवासी समुदाय विदेश में रहता है, जिनके परिवार राज्य से गहराई से जुड़े हुए हैं। बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, प्रवासी भारतीय पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ कैसे सक्रिय रह सकते हैं।बैठक के दौरान, गवी ने चुनावों से पहले पंजाब में जमीनी स्तर पर समय बिताने और पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में अपनी स्वयंसेवक टीम के साथ योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी टीम स्वयंसेवक समन्वय, स्थानीय बैठकों के आयोजन और जनसंपर्क में सहायता कर सकती है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर लोगों की चिंताओं को सुनने और नेतृत्व के साथ जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया (फीडबैक) साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया।पंजाब चुनाव में ओवरसीज कांग्रेस की भूमिका गवी राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के सादुलशहर क्षेत्र के रोतां वाली गांव के रहने वाले हैं। यह क्षेत्र पंजाब की सीमा से लगा हुआ है और इसके साथ सामाजिक व पारिवारिक संबंध साझा करता है। ऑस्ट्रेलिया में, उनके नेतृत्व वाले इंडियन ओवरसीज यूथ कांग्रेस ने मार्च 2026 में सिडनी के राउज हिल में अपना पहला कार्यालय खोला था, और उन्होंने वहां भारतीय छात्रों व युवाओं के साथ कई वर्षों तक काम किया है। IOC की बैठक के बाद, गवी ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान परगट सिंह के साथ अलग से वीडियो बातचीत की। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और जालंधर कैंट से विधायक परगट सिंह ने 2027 की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह ली।

दोनों ने आगामी चुनावों, गवी की भागीदारी की संभावनाओं, उनकी स्वयंसेवक टीम के योगदान के तरीकों और आगे के समन्वय पर चर्चा की। हालांकि, किसी विशिष्ट जिम्मेदारी की घोषणा नहीं की गई। ये दोनों बातचीत चुनावों से पहले पंजाब में संगठनात्मक कार्यों के साथ ओवरसीज समर्थकों को जोड़ने के बढ़ते प्रयासों को दशार्ती हैं, जिसमें प्रवासी भारतीय अपना समय, स्थानीय ज्ञान और स्वयंसेवक सहायता दे रहे हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027: फिर सियासी मुद्दा बना 'नशा', अमित शाह और राहुल गांधी बता चुके सबसे बड़ी समस्या

चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की सियासी बिसात बिछने के साथ ही नशा एक बार फिर सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनता जा रहा है। पंजाब में जिस नशे के मुद्दे को लेकर एक दशक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राजनीतिक विरोधियों के तीखे हमलों का सामना करना पड़ा था, आज उसी मुद्दे पर भाजपा से लेकर कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल तक सभी दल आम आदमी पार्टी सरकार को घेरने में जुटे हैं।

विधानसभा चुनाव में हर पार्टी इसी मुद्दे के साथ मैदान में उतरेगी। 20 अक्टूबर को पंजाब दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नशे के खिलाफ लड़ाई को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाते हुए 2029 तक पंजाब ही नहीं पूरे देश से नशा खत्म करने का संकल्प जताया है।अमित शाह ने पंजाब में नशे के कारोबार को लेकर सीधे तौर पर आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उधर जवाब में आप नेताओं ने भाजपा पर पलटवार करते हुए



पहले गुजरात में नशे के कारोबार पर लगाम लगाने की चुनौती दे डाली।बुधवार को फिर से संगरूर में राहुल गांधी की रैली ने इस मुद्दे को फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया। राहुल गांधी ने पंजाब में नशे की समस्या के लिए सीधे तौर पर भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों को जिम्मेदार ठहराया।

उधर, शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल भी लगातार नशे के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं। अकाली नेताओं का आरोप है कि आप सरकार के दावों के बावजूद पंजाब में नशे की समस्या खत्म नहीं हुई है। भाजपा भी इसे कानून-व्यवस्था और सीमा पार से होने वाली तस्करी से जोड़कर आक्रामक रुख अपना रही है।प्रदेश में गंभीर बन चुकी नशे की समस्या

नशे की समस्या केवल राजनीतिक आरोपों तक सीमित नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से जारी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में वर्ष 2024 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 8,973 मामले दर्ज हुए। नशे की ओवरडोज से 106 लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 89 था। यानी राजनीतिक दलों के दावों और आरोपों के बीच नशे की समस्या की गंभीरता आंकड़ों में भी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। पंजाब में नशे को चुनावी मुद्दा केवल इस बार ही राहुल गांधी ने नहीं उठाया है। 2017 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान पंजाब में हुई रैली में राहुल गांधी ने दावा किया था कि पंजाब के 70 प्रतिशत युवा नशे से प्रभावित हैं। उस समय भाजपा और दूसरे राजनीतिक दलों ने राहुल के इस बयान की जमकर आलोचना की थी। दस वर्ष बाद फिर से राहुल के पंजाब दौरे पर नशा मुद्दा सिर्फ कांग्रेस नहीं सभी पार्टियों की टाप लिस्ट में शामिल हो गया है।

लुधियाना की गिल सीट से चुनाव लड़ सकते हैं वित्त मंत्री हरपाल चीमा, आप बना रही रणनीति



लुधियाना। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। खास बात यह है कि महानगर की विधानसभा सीटों पर राजनीतिक दल बड़े चेहरों को उतारने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इसी कड़ी में गिल विधानसभा सीट से आप नेता व पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के चुनाव लड़ने की चर्चा है। इन चचाओं के जोर पकड़ने से राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। गौरतलब है कि हरपाल चीमा संगरूर के दिड़बा सीट से चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे और वित्त मंत्री बने।

अब चीमा की गिल सीट से उतरने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि गिल सीट से रिपोर्ट ठीक नहीं आ रही है। लुधियाना पंजाब का प्रमुख औद्योगिक और कारोबारी केंद्र है। यहां शहरी सीट के साथ -साथ आरक्षित विधानसभा है। जिले में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें छह शहरी और आठ ग्रामीण क्षेत्र में आती हैं। गिल सीट को लेकर आम आदमी पार्टी के भीतर उम्मीदवार के बदलाव की चर्चा है इसलिए सीट का एलान नहीं किया गया है। यहां से मौजूदा विधायक जीवन सिंह संगोवाल हैं। जिन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। अब सीट पर कई तरह की चचाएं होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, आप पार्टी अभी किसे मौका देगी यह तय नही है। पार्टी ने अधिकारिक एलान नहीं किया है। राजनीतिक चचाओं के मुताबिक आम आदमी पार्टी हरपाल सिंह चीमा को गिल सीट से उतार सकती है तो यह केवल एक विधानसभा सीट पर उम्मीदवार बदलने का मामला नहीं होगा, बल्कि इसके जरिए पार्टी लुधियाना में अपनी राजनीतिक स्थिति को भी मजबूत करने का प्रयास कर सकती है। दूसरा चीमा पंजाब सरकार में वित्त मंत्री हैं और प्रदेश स्तर पर उनका राजनीतिक कद है। विपक्ष के पास चीमा के खिलाफ अभी कोई बड़ा चेहरा नहीं है। इस लिए चीमा के नाम की चर्चा से है और गिल सीट पर आते है तो मुकाबले रोचक हो जाएगा ।

हरियाणा के लाल ने किया कमाल, एनडीए में हासिल की ऑल इंडिया 4 रैंक; लाखों युवाओं के लिए बने प्रेरणा

चंडीगढ़। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में उड़ान और उन्हें पूरा करने का जुनून होता है। चंडीगढ़ के ईश फोगाट ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति से इस कहावत को सच कर दिखाया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए)-1, 2026 परीक्षा में ईश ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर)-4 हासिल कर न केवल अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है, बल्कि सेना में अधिकारी बनने का सपना देखने वाले लाखों युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं ईश फोगाट का परिवार मूलरूप से हरियाणा के चरखी-दादरी के गांव जिंझार का रहने वाला है, जोकि फिलहाल चंडीगढ़ के सेक्टर-19सी में रह रहा है। ईश की यह उपलब्धि अचानक मिली सफलता नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और लगातार बेहतर प्रदर्शन का परिणाम है।उन्होंने लिखित परीक्षा के साथ सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) का कठिन इंटरव्यू भी सफलतापूर्वक पास किया। देश के शीर्ष पांच सफल अभ्यर्थियों में जगह बनाना उनकी प्रतिभा, तैयारी और आत्मविश्वास को दशार्ता है।

आरआईएमसी प्रवेश परीक्षा में भी हासिल किया था दूसरा स्थान

ईश की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2021 में उन्होंने देहरादून स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) की प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक-2 हासिल की थी। इसके बाद उनका चयन आरआईएमसी में हुआ। उन्होंने सैन्य जीवन के अनुरूप अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक दक्षता और कठिन परिस्थितियों में खुद को साबित करने का प्रशिक्षण हासिल किया। अब एनडीए परीक्षा में चौथा स्थान हासिल कर उन्होंने



अपनी सफलता की इस यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ दी है। सेंट जॉन्स स्कूल से शुरू हुआ सफलता का सफर ईश की शुरूआती पढ़ाई चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित सेंट जॉन्स हाई स्कूल से हुई। यहीं से उनकी शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास की नींव मजबूत हुई। पढ़ाई के साथ एक बेहतर व्यक्तित्व विकसित करने और समाज व देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भावना ने उनके लक्ष्य को दिशा दी। बाद में आरआईएमसी में रहकर उन्होंने अपनी तैयारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। ईश की सफलता के पीछे उनके माता-पिता प्रो. विजय फोगाट और प्रो. रेखा रानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके पिता सेक्टर-20 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्रोफेसर हैं, जबकि उनकी माता भी प्रोफेसर हैं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन के माहौल ने ईश को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। खास बात यह है कि उनका छोटा भाई राम फोगाट भी आरआईएमसी में कैडेट है और बड़े भाई के नक्शेकदम पर चलते हुए भविष्य में देश की सेवा करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। कड़ी मेहनत से ही मिलती है मंजिल

ईश की उपलब्धि उन युवाओं के लिए खास संदेश है, जो सेना में अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। उनका सफर बताता है कि लक्ष्य तय करने के बाद लगातार मेहनत, शारीरिक फिटनेस, पढ़ाई में निरंतरता, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ा जाए तो बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है।

लुधियाना बाईपास पर होजरी कारोबारी ने की आत्महत्या, कनपटी पर मारी गोली, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

लुधियाना। लुधियाना शहर के साउथ बाईपास पर शुक्रवार दोपहर एक होजरी कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शुरूआती जांच और कनपटी पर गोली मिलने के निशान के आधार पर इस मामले को आत्महत्या (सुसाइड) की एंगल से जांचना शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर को ईस्टवुड के पास वेस्टर्न लिविंग के नजदीक हुई इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल को सील कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, क्योंकि कारोबारी की कनपटी पर गोली का घाव मिला है। घटना के तुरंत बाद घायल कारोबारी को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल ले



जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। परिवार के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बयानों के आधार पर ही अगली कार्रवाई की जाएगी।सुसाइड की जांच शुरू

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थिति बनी जिसके चलते यह कदम उठाया गया। पुलिस आसपास के लोगों, परिजन

फतेहपुर के ललौली में बुजुर्ग महिला की हत्या, एसपी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

शीघ्र खुलासे के लिए अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, एएसपी व सीओ जाफरगंज भी रहे मौजूद





ललौली/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना ललौली क्षेत्रांतर्गत कस्बा ललौली के सौताना मोहल्ले में गुरुवार को बुजुर्ग महिला की हत्या की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर एवं क्षेत्राधिकारी जाफरगंज भी मौके पर उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। एसपी ने घटना के अनावरण हेतु विभिन्न पहलुओं पर गहनता से जांच करने, साक्ष्यों का संकलन एवं विश्लेषण करने तथा संलिप्त अभियुक्तों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस टीम द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ व साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई जारी है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमौली कस्बे में त्योहार पर पुलिस मुस्तैद, सराफा बाजार में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एसपी के निर्देश पर अमोली पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, चौकी इंचार्ज खुद कर रहे हैं भ्रमण





अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- धनतेरस और दीपावली पर्व को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। इसी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देश पर अमौली कस्बे में प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है।

अमौली कस्बे के सराफा बाजार में पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर तैनात दिखाई दे रहे हैं। त्योहार के चलते सोने-चांदी की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिसको देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अमोली चौकी इंचार्ज लगातार कस्बे का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं और दुकानदारों से संवाद कर रहे हैं। बाजार में पुलिस की मौजूदगी से दुकानदारों में सुरक्षा की भावना है। दुकानों पर उमड़ी भीड़ और दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान साफ दिखाई दे रही है। पुलिस की पैनी नजर के चलते किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर चौराहे और मुख्य बाजार में पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन की इस सक्रियता की सराहना की है। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय पुलिस की मौजूदगी से चोरी और लूट जैसी घटनाओं पर अंकुश लगता है और ग्राहक भी बेफिक्र होकर खरीदारी कर पाते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

अपर पुलिस अधीक्षक एएसपी गौतम राय ने किया फ्लैग मार्च





नगीना/बिजनौर (सब का सपना) :- धनतेरस पर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) गौतम राय ने सीओ आलोक सिंह के साथ मुख्य बाजार में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और एसएसआई सुकरम पाल राणा को निर्देश दिए कि मुख्य बाजारों में ई-रिक्शाओं का संचालन पूर्णतः बंद कराएं। जिससे धनतेरस पर बाजारों में जाम न लगे और खरीददारों को कोई परेशानी न हो। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) गौतम राय शुक्रवार को दोपहर ढाई बजे गांधी मूर्ति पर पहुंचे और यहां से सीओ आलोक सिंह तथा भारी पुलिस बल के साथ पैदल रेलवे स्टेशन रोड, पालिका मार्केट, मंडी मौलगंज, लुहारी सराय, बड़ा मंदिर क्षेत्र, सुनहरी क्षेत्र, सराफा बाजार, बाजार बारादरी, जामा मस्जिद क्षेत्र से होकर पहाड़ी दरवाजा तक पैदल गश्त की।

धनतेरस पर ज्वैलरी, बर्तन व इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर खरीददारों की भीड़, बंपर ग्राहकी से व्यापारियों में उत्साह





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- दीयों के महापर्व दीपावली के पर्व पर शुक्रवार को धनतेरस के दिन ज्वैलरी, बर्तनों व इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर खरीददारों की भीड़ नजर आई। स्कूटी व बाइक के शोरूम पर भी लोग अपनी पसंद के वाहन खरीद रहे हैं। बाजारों में महिलाओं की भारी भीड़ दिखाई दे रही है। शगुन के रूप में महिलाएं बर्तन व लक्ष्मी-गणेश वाले चांदी के सिक्के खरीद रही हैं। दीपक, कुल्हिया व खील-बताशे व खांड के खिलौनों तथा कंदीलों की भी खूब बिक्री हो रही है। इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर लोग कलर एलईडी टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मिक्सी तथा रंगबिरंगी चाइनीज इलेक्ट्रॉनिक झालरों व इलेक्ट्रॉनिक कंदीलों की खूब बिक्री हो रही है। पुलिस की निष्क्रियता के कारण धनतेरस पर दिन भर बाजारों में जाम लगा रहा। जिससे खरीददारी करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंडी मौलगंज से बाजार बारादरी तक तथा पंजाबियान में मीना मार्केट क्षेत्र की सड़कें बेहद संकरी हैं। सबसे ज्यादा खरीदारों की भीड़ भी यहीं रहती है। लेकिन ई-रिक्शाओं के कारण देर शाम तक जाम लगा रहा। लोगों को पैदल चलने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ा। पुलिस ने न तो ई-रिक्शाओं का रूट डाइवर्जन किया और न ही भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस दिखाई दी। लुहारी सराय तिराहे व बिश्नोई सराय जाने वाली सड़क के चौराहे पर दो-दो सिपाही बैठे हुए दिखाई दिए।

जहरीला पदार्थ खाने से विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने दी पुलिस को तहरीर

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव हरोली में एक विवाहिता की जहरीला पदार्थ खाने से उपचार के दौरान मौत हो गई। विवाहिता की मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मोर्चरी बिजनौर भिजवाने की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद जनपद के कांठ थाना क्षेत्र के मोहल्ला पट्टीवाला निवासी सबिया की करीब 25 वर्षीय पुत्री नाजिया की शादी लगभग पांच वर्ष पहले स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव हरोली निवासी आसिफ के साथ हुई थी। बताया गया कि पांच नवंबर को नाजिया ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए नूरपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतका की मां सबिया ने छह नवंबर की रात स्योहारा थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सूचना मिलने पर स्योहारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मोर्चरी बिजनौर भेजा जाएगा। पुलिस के मुताबिक मृतका के शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने लगाए स्टॉल

बहजोई/संभल (सब का सपना):- दीपावली के पावन पर्व पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई में विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए आकर्षक स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर महिलाओं द्वारा अपने हुनर, मेहनत और रचनात्मकता से तैयार दीपावली से संबंधित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह ने स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए गए



उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षक प्रस्तुति की सराहना करते हुए खरीदारी भी की तथा महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

इस प्रदर्शनी में सिद्ध बाबा, राधा रानी, संजीवन, जीवन, नई किरण, सीता एवं जय श्री राम स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार विभिन्न उत्पादों को बिक्री के लिए रखा, जिन्हें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने खूब पसंद किया।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, संभल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दीपावली के अवसर पर लगाए गए इन स्टॉलों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने एक लाख रुपये से अधिक का कारोबार किया। इस दौरान लोगों ने बढ़-चढ़कर खरीदारी करते हुए महिलाओं के प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

इस पहल से जहां स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध हो रहा है, वहीं ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार और आय बढ़ाने के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। महिलाएं अपने हुनर और परिश्रम के बल पर आर्थिक रूप से सशक्त बनते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं।

गुलावठी लॉरेन्स अकादमी बना सभी धर्मों के लिए एकता का प्रतीक



गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- लॉरेन्स अकादमी गुलावठी के प्रांगण में दीपावली महोत्सव व धनतेरस के उपलक्ष्य में सरस्वती, गणेश, लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना बड़े हर्षोल्लास माहौल में सम्पन्न की गई। जिसमें प्रबन्धक सहीमुद्दीन मेवाती, निर्देशक शोएब मेवाती, प्रधानाचार्या तृप्ति तिवारी एवं विद्यालय के समस्त स्टॉफ ने पूजा अर्चना करके अपने जीवन में सुख शान्ति व समृद्धि का आशीर्वाद लिया। दीपावली महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से रंगोली, दीपक सजाने, ग्रीटिंग कार्ड, कैंडिल, डोर हैंगिंग, क्ले मिट्टी से गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति बनाने तथा कक्षा सजाने आदि प्रतियोगिताओं में नर्सरी से कक्षा 9वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक, भावनात्मक, आस्था, संस्कृति की प्रतिभा का सुन्दर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय को सजाकर अयोध्या नगरी की स्मृति को पुनर्जीवित कर दिया। शिक्षकों व विद्यार्थियों ने इन पर्वों के विशेष धार्मिक व वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर टैगोर हाउस, द्वितीय स्थान पर टैरेसा हाउस तथा तृतीय स्थान पर अशोका हाउस रहा। प्रधानाचार्या ने सभी को दीपावली की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं देकर कहा कि दीपावली का त्यौहार सिर्फ दीप जलाने का नहीं बल्कि जीवन में अंधकार से प्रकाश की ओर, बुराई से अच्छाई, निराशा से आशा की ओर बढ़ने की सीख देता है। और यह पर्व हमारे जीवन में अनेकता में एकता, सुख शान्ति समृद्धि और खुशी का भाव देता है। अन्त में विद्यालय के प्रबन्धक, निर्देशक एवं प्रधानाचार्या ने संयुक्त रूप से सभी को उपहार व मिठाईयां वितरित करके भविष्य में सदैव दीपों की चमक जगमगाती रहे और जीवन में सुख शान्ति व समृद्धि बनी रहे, ऐसी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

निर्देशक ने कहा कि इन पर्वों व प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में धार्मिकता, आस्था, कलात्मकता, एकता, समरसता तथा आन्तरिक प्रतिभा का विकास होता है। प्रबन्धक ने प्रतियोगी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य रूप से रेखा अग्रवाल, स्वाती सहगल और उनकी सहयोगी हाउस इन्चार्जों के द्वारा तथा कक्षा 9वीं-ए व 9वीं-ब की छात्राओं ने सहयोग किया।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में दीपावली मिलन का पावन पर्व मनाया गया



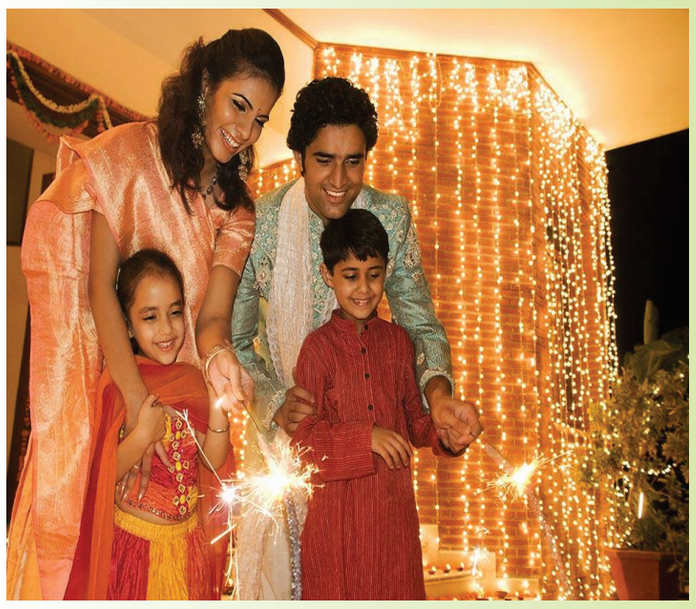
नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामलीलाबाग नगीना में धनतेरस एवं दीपावली मिलन का पावन पर्व अत्यंत भव्य, हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक विशेष सांस्कृतिक एवं विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं एवं आचार्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धनतेरस एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के साथ किया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना की गई, जिसमें सभी आचार्यों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने पूरे मनोयोग और श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा धनतेरस और प्रकाश पर्व दीपावली के सांस्कृतिक महत्व, पर्यावरण अनुकूल दीपावली और भारतीय परंपराओं पर आधारित ओजस्वी विचार व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस शुभ अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के सम्मानित पदाधिकारी एवं अतिथि प्रबंधक डॉ. संदीप शर्मा, अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, उपाध्यक्ष हेमंत कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ. बालेश विश्नोई तथा अनिल शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को संबोधित करते हुए धनतेरस और दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं और जीवन में स्वच्छता, सद्भाव, ज्ञान के प्रकाश तथा सनातन संस्कृति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस पावन पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में आकर्षक रंगोली निर्माण और दीया मेकिंग प्रतियोगिता का भी सुंदर आयोजन किया गया, जिसमें भैया-बहनों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मनमोहक रंगोलियां सजाईं और सुंदर दीए बनाए। दीपावली के इस शुभ अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों, आचार्यों और प्रधानाचार्य जी ने घर-परिवार से दूर समाज की सुरक्षा व सेवा में तत्पर पुलिस कर्मचारियों के बीच जाकर उन्हें मिठाई दी और दीपावली की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रशासन के लोगों को विश्वास दिलाया कि हम सब भी आप ही का परिवार हैं और इस पावन पर्व पर हम सब आपके साथ हैं। कार्यक्रम के सफल समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश सिंह ने उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों व जनसमूह का आभार व्यक्त किया तथा सभी को धनतेरस एवं दीपावली मिलन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 1.20 लाख रुपये ठगे, आरोपी गिरफ्तार

ठगी की रकम में से बचे 6,560 रुपये बरामद, शेरकोट पुलिस ने की कार्रवाई



शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने के मामले में शेरकोट पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से शेष बचे 6,560 रुपये भी बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, बीती 5 नवंबर को शेरकोट के मोहल्ला कोटर निवासी महबूब अहमद पुत्र इसरार अहमद ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मोहल्ला कायस्थान निवासी नवेद अहमद पुत्र वशी अहमद ने उसे विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 1 लाख 20 हजार रुपये ले लिए थे। काफी समय बीतने के बाद भी आरोपी ने न तो नौकरी दिलाई और न ही रुपये वापस किए। रुपये मांगने पर आरोपी ने पीड़ित और उसके भाई के साथ मारपीट, गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 214/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसी क्रम में 6 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी नवेद अहमद को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर ठगी की रकम में से बचे 6,560 रुपये बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों से रुपये लेकर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महबूब अहमद से मिली रकम का अधिकांश हिस्सा अपने निजी खर्चों में खर्च कर दिया था। मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने पर वह गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली जाने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवेद अहमद पुत्र वशी अहमद निवासी मोहल्ला कायस्थान, कस्बा व थाना शेरकोट, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से भी मुकदमा संख्या 78/2026 दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी तथा हेड कांस्टेबल 647 यशवीर राठी शामिल रहे। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।



आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

बच्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

पटाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

घर में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

धूमधाम से मनाएं दिवाली,
आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

यद्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

खुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें : कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

आंखों को पहुंच सकता है नुकसान : आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

पटाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में : अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

कान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान : कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

आपात स्थिति में क्या करें : आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।





चीन से जुड़ा है
पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा। यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई। तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

> पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए है तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

> तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदल नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे, आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्हीं पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो



बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''





आनंद सर को मुझ पर भरोसा था, उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' से डेब्यू करने वाले अंश दुग्गल अब आनंद एल राय की फिल्म में सोलो लीड हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग तक के सफर, छोड़े गए प्रोजेक्ट्स और 'नखरेवाली' के मैसेज पर हुई खास बातचीत...

सोलो लीड फिल्म मिलने में 7-8 साल लगे। इस दौरान कितने प्रोजेक्ट्स छूटे?

'नखरेवाली' मुझे 2023-24 के दौरान ऑफर हुई थी। इस सफर में हर साल कम से कम एक अच्छा प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा, क्योंकि मैं सोलो लीड के तौर पर पहचान बनाना चाहता था। फैसला जोखिम भरा था, लेकिन भरोसा था कि कुछ अच्छा होगा। प्रोजेक्ट्स के नाम अभी नहीं बता सकता।

आपका किरदार मजनू से लैला की स्थिति में पहुंचता है। क्या वजह रही?

मेरा किरदार मानता है कि लड़कियों के लिए कुछ चीजें आसान हैं। हीरोइन उसे चुनौती देती है कि अगर ऐसा लगता है तो दिल्ली जैसे शहर में लड़की बनकर रहकर दिखाए। इसके बाद उसे लैला की स्थिति में आना पड़ता है। हम कॉमेडी के जरिए दिखाना चाहते हैं कि पितृसत्तात्मक सोच वाले परिवार से आने वाले लड़के को लड़की की चुनौतियों का कुछ अंदाजा कैसे होता है।

आनंद एल राय के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

आनंद सर ने कहा कि उन्होंने मुझे फिल्म में लिया है क्योंकि उन्हें मुझ पर भरोसा है। उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी। कॉमेडी में यह बहुत जरूरी है। पता हो कि पीछे आनंद एल राय जैसे फिल्ममेकर हैं, तो कलाकार अपने काम को लेकर सहज रहता है। हमने सेट पर खूब मस्ती की और प्यार से फिल्म बनाई।

आलिया भट्ट के प्रोडक्शन में काम करने का अनुभव कैसा रहा था?

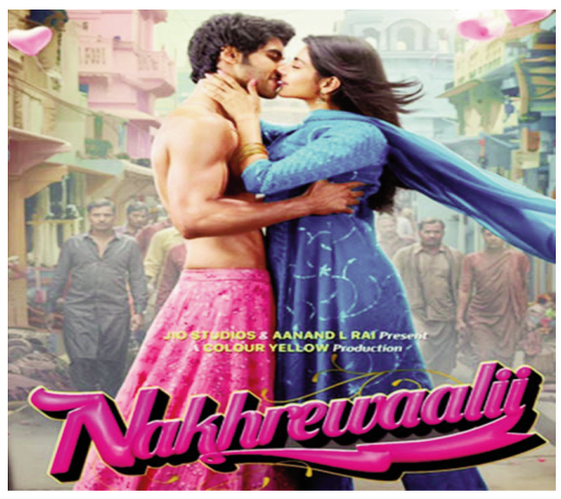
आलिया फिल्म के लगभग हर पहलू से जुड़ी थीं। कास्टिंग, स्क्रिप्टिंग, पोस्टर और प्रमोशन तक उनकी भागीदारी रही। उन्होंने कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह प्रोड्यूसर हैं और हम नए कलाकार। उन्होंने हम पर भरोसा किया और पूरी टीम का उद्देश्य फिल्म को अच्छा बनाना था। आगे उनके प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का मौका मिला तो खुशी होगी।

दिल्ली से मुंबई आने और एक्टिंग में करियर बनाने की शुरुआत कैसे हुई?

मैं दिल्ली के पश्चिम विहार से हूं। परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं है। बचपन में शर्मीला था और एक्टिंग का सपना भी नहीं था। कॉलेज में कुछ अलग करने की इच्छा हुई तो जिम और मॉडलिंग शुरू की। दोस्तों के साथ ऑडिशन देने गया, एक पेजेंट में हिस्सा लिया और जीतने के बाद मुंबई आने का मौका मिला। दादाजी मुझे हमेशा हीरो कहते थे और चाहते थे कि मैं कुछ बड़ा करूं। उनका सपोर्ट भी मेरे लिए अहम रहा।

मॉडलिंग में कामयाबी मिलने के बाद एक्टिंग की ओर क्यों आए थे?

मुंबई में शुरुआती दो-तीन साल अच्छे रहे। बड़े शोज और कमर्शियल्स किए, लेकिन धीरे-धीरे लगा कि मुझे कुछ और करना है। एक्टिंग क्लासेज और वर्कशॉप शुरू कीं। किरदारों के साथ काम करने का अनुभव पसंद आया और समझ आया कि यही करना है। मैं अच्छा एक्टर भी बनना चाहता था और हीरो भी।





विशाल फुरिया के साथ हॉरर फिल्म करेंगे आर माधवन

आर माधवन ऐसे अभिनेता हैं जो हर तरह के किरदार निभाते हैं। खास बात यह है कि वह हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते हैं। उन्होंने फिल्म 'शैतान' में अपने अभिनय से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। अब वह विशाल फुरिया की अपकमिंग फिल्म के साथ हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। माधवन के साथ काम करने पर विशाल ने कहा, 'माधवन सर हमेशा से मेरी पहली और इकलौती पसंद थे। मैं बहुत खुश हूं कि वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए हैं। उन्होंने अभी से फिल्म की दुनिया में ढलना शुरू कर दिया है। वह कल्ट क्लासिक भारतीय हॉरर फिल्म '13बी' के असली हॉरर स्टार हैं। यह मेरी अब तक की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उनका अनुभव और गंभीर हॉरर की उनकी समझ बहुत ही खास है। इस फिल्म के लिए मुझे उनसे बेहतर कोई और नहीं सूझा।'

खास फिल्म बनाना चाहते हैं विशाल

उन्होंने आगे कहा, 'माधवन सर के पास एक लेखक, निर्देशक और निर्माता के रूप में वर्षों का अनुभव है, इसलिए इस फिल्म में उनका हमारे साथ होना वाकई बहुत खास है। हम मिलकर कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो दर्शकों ने भारतीय हॉरर फिल्मों में पहले कभी न देखा हो। एक ऐसा डर जो सीधे उनके रोंगटे खड़े कर दे!' अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म के बारे में बाकी जानकारी का इंतजार है। इस प्रोजेक्ट को रोहित रंजन के 'फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड' के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म शैतान 8 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका थीं। आर माधवन ने इसमें खलनायक वनराज का किरदार निभाया था।

विशाल फुरिया की फिल्में

विशाल फुरिया मुख्य रूप से काजोल अभिनीत फिल्म 'मां' को निर्देशित करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें काजोल, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा शर्मा थे। 65 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने भारत में सिर्फ 36.27 करोड़ रुपये कमाए थे। विशाल फुरिया ने नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी' का भी निर्देशन किया था।



सत्यवान सावित्री में वकील बनीं कीर्ति, माइस्किन के किरदार से होगी टक्कर

कीर्ति सुरेश की आने वाली फिल्म 'सत्यवान सावित्री' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में कीर्ति के साथ एक्टर और निर्देशक माइस्किन भी लीड रोल में नजर आएंगे। टीजर में कीर्ति एक ऐसी युवा वकील की भूमिका में दिखाई दे रही हैं, जो अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस दौरान उनका सामना एक अनुभवी और वरिष्ठ वकील से होता है। दोनों के बीच विचारों का टकराव कहानी का अहम हिस्सा नजर आ रहा है। फिल्म के करीब एक मिनट 19 सेकंड के टीजर में कीर्ति के किरदार सावित्री की झलक दिखाई गई है। वह एक युवा और महत्वाकांक्षी वकील हैं, जो अपने काम में आगे बढ़ना चाहती हैं। उनका सपना एक सफल वकील बनने का है, लेकिन इस रास्ते में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में उनका सामना मार्कंडेय नाम के वरिष्ठ वकील से होता है, जिसका किरदार माइस्किन ने निभाया है। फिल्म में माइस्किन एक वरिष्ठ वकील मार्कंडेय की भूमिका निभा रहे हैं। 'सत्यवान सावित्री' का लेखन और निर्देशन प्रवीण एस. विजय ने किया है। यह फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होगी।

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव पर श्रद्धा कपूर ने दिया बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने फिल्मों खुलासा किया कि क्यों उन्होंने इस फिल्म के लिए हां किया साथ ही बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर अपनी राय रखी।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की जरूरत है। इस तरह की फिल्में बननी चाहिए। मुझे लगता है कि ये बहुत छोटी सोच होती है। हमें इंडस्ट्री के बारे में सोचना चाहिए कि हम इंडस्ट्री को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। जब हम सब ऐसा सोचेंगे ना, तब हमारी इंडस्ट्री बहुत आगे बड़ी हो जाएगी।' श्रद्धा ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें 'ईठा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने 'छावा' के बाद एक अलग विषय चुनने के लिए निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। 'छावा' के बाद लक्ष्मण सर के लिए सबसे आसान होता कि वह एक और योद्धा पर आधारित फिल्म बनाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने उनसे इस बारे में पूछा भी था। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं एक अलग दुनिया दिखाना चाहता हूं।' मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत शानदार फैसला लिया है।'

फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा रणदीप फिल्म में अन्ना सावंत मर्चेंट का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर भी इस फिल्म में नजर आएंगे।



माइथो क्रिएचर 'कालिया' में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस अब बड़े पैमाने की पौराणिक क्रिएचर फिल्म 'कालिया' पर दांव लगाने की तैयारी में है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि 'द नाइट मैनेजर' फेम संदीप मोदी निर्देशन की कमान संभालेंगे। इसकी शूटिंग दिसंबर 2026 में शुरू हो सकती है। चर्चा यह भी है कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान दिवाली पर 'रामायण' के प्रिंट्स के साथ एक विशेष वीडियो के जरिए किया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है। 'कालिया' के जरिए कार्तिक, करण और संदीप पहली बार एक साथ काम कर सकते हैं। बता दें कि 2019 में धर्मा प्रोडक्शंस ने कार्तिक के साथ 'दोस्ताना 2' की घोषणा की थी। बाद में फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई और दोनों के बीच मतभेद की खबरें सामने आईं। इसके बाद 2023 में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साथ दोनों की साझेदारी आगे बढ़ी थी।

माइथो स्टोरी में दिखेगा क्रिएचर का संसार

'कालिया' पारंपरिक माइथोलॉजी फिल्मों से अलग एक क्रिएचर फिल्म होगी। ऐसे जॉनर में माइथो रेफरेंस के साथ काल्पनिक जीवों की डिजाइनिंग, विजुअल इफेक्ट्स और बड़े स्तर पर विश्व-निर्माण अहम होते हैं। वहीं फिल्म के ऐलान को 'रामायण' के सिनेमाघरों में प्रदर्शन से जोड़ने की चर्चा इसके प्रमोशनल प्लान को और भी खास बनाती है। कार्तिक के खाते में आगे भी इस बैनर के साथ फैंटेसी फिल्म 'नागजिला' है, जो अगले साल रिलीज होगी।

राघवजुयाल ने शुरू की 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग

रेमो डिसूज़ा हैं निर्देशक



राघव जुयाल ने अपनी नई फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूज़ा कर रहे हैं। राघव ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे अहम फिल्म बताया। उनके मुताबिक... 'यह फिल्म उनके लिए इसलिए खास नहीं है कि यह कितनी बड़ी है, बल्कि इसलिए है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले इसके बारे में सोचा था और इसे अपने सपने का हिस्सा बनाया था। अब उस सपने को हकीकत में बदलते देखना उनके लिए बहुत भावुक पल है।' राघव ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा देंगे। उनकी कोशिश है कि वह ऐसा अभिनय और नृत्य पेश करें, जैसा दर्शकों ने पहले किसी नृत्य पर आधारित फिल्म में नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सपनों को पूरा होने में कई साल लग जाते हैं लेकिन जब वे पूरे होते हैं तो एहसास होता है कि वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे। हालांकि, फिल्म की कहानी और इसमें शामिल दूसरे कलाकारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।